सत्यमेव जयते

Government of Rajasthan

इंडिया स्टोनमार्ट–2026 के बढ़ते कदम, लघु उद्योग भारती के संग

13th

INDIA STONEMART2026

Stone for Sustainability

5 - 8 February, 2026

JAIPUR, RAJASTHAN, INDIA

राम मंदिर – अयोध्या

प्रस्तुतकर्ता: लघु उद्योग भारती (LUB) | स्थान: जयपुर, राजस्थान | वर्ष: 2025–26

Organiser

CDOS

Centre for Development of Stones

Principal Sponsor

RIICO

GROW WITH RAJASTHAN

Co-Organiser

LAGHU UDYOG BHARATI

Fair Sponsor

RK MARBLE

KHOOBSURAT IMAANDAARI

Shri Narendra Modi
Hon'ble Prime Minister
India

Shri Bhajanlal Sharma
Hon'ble Chief Minister
Rajasthan

Shri Rajyavardhan Rathore
Hon'ble Minister for
Industry and Commerce
Rajasthan

Shri K.K. Vishnoi
Hon'ble Minister of State for
Industry and Commerce
Rajasthan

स्वागत है
भारत की सबसे बड़ी स्टोन इंडस्ट्री प्रदर्शनी में

प्राकृतिक पत्थर उद्योग पर आधारित सबसे बड़े अन्तर्राष्ट्रीय आयोजनों में से एक, **13वां संस्करण - इंडिया स्टोनमार्ट 2026**, 5 से 8 फरवरी 2026 के दौरान आयोजित किया जाएगा। यह प्रदर्शनी प्राकृतिक आयामी पत्थरों, सहायक उत्पादों और सेवाओं की एक भव्य झलक प्रस्तुत करेगी। इस आयोजन में देशी और विदेशी उत्पादक, निर्यातक/आयातक, उपभोक्ता, खरीददार, विशेषज्ञ, तकनीकी प्रदाता, आर्किटेक्ट्स और बिल्डर्स एवं डवलपर्स सहित उद्योग के विभिन्न हितधारक एक वैश्विक मंच पर एकत्रित होंगे जिसे 'स्टोनमार्ट' कहा जाता है।

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 भाग लेने वाली कंपनियों के लिए अपने उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने, उपभोक्ताओं के बीच ब्रांड छवि को सुदृढ करने तथा वैश्विक स्तर पर व्यावसायिक संबंध स्थापित करने के लिए एक आदर्श मंच होगा।

इस कार्यक्रम के **आयोजक** हैं – **सेंटर फॉर डवलपमेन्ट ऑफ स्टोन्स (CDOS)**, और **सह-आयोजक** है – **लघु उद्योग भारती (LUB)**। **राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम लिमिटेड (RIICO)** इस आयोजन का **मुख्य प्रायोजक** है।

सबसे बहुप्रतीक्षित प्रदर्शनी आयोजनों में से एक, **इंडिया स्टोनमार्ट** ने अन्तर्राष्ट्रीय एक्सपो क्षेत्र में अपनी एक खास पहचान बनाई है। भागीदारों को विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, सुविधाएं और सेवाएं प्रदान की जाएंगी। यह व्यापारिक सौदों की खोज और उद्योग के दिग्गजों के साथ नेटवर्किंग के लिए एक बेहतरीन मंच साबित होगा, जिससे व्यापारिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

अनुक्रमणिका

अध्याय	अध्याय शीर्षक	विवरणात्मक शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1.	समझौता ज्ञापन (MoU)	समझौता ज्ञापन (MoU) का क्रियान्वयन – एक आधारशिला	7 - 9
2.	मार्मोमैक फेयर, इटली	भारत से विश्व तक का प्रस्तुतीकरण	10 - 14
3.	GSTF 2025	ग्लोबल स्टोन टेक्नोलॉजी फोरम – नवाचार और साझेदारी की दिशा में कदम	15 - 18
4.	STONA 2025	भारत में भारत की प्रस्तुति	19 - 23
5.	शियामेन स्टोन फेयर, चीन	एशिया के द्वार पर भारत की पहचान	24 - 27
6.	इज़मिर मार्बल फेयर, तुर्की	यूरोप और एशिया के संगम पर भारत की उपस्थिति	28 - 30
7.	Coverings 2025, ऑरलैंडो	भारत की प्रस्तुति अमेरिका के पत्थर बाजार में	31 - 33
8.	लंदन यात्रा – यूके	स्टोन शो में इंडिया स्टोनमार्ट–2026 का वैश्विक प्रचार	35 - 37
9.	स्टोन इंडस्ट्री 2025, मॉस्को	मॉस्को में इंडिया स्टोनमार्ट–2026 का वैश्विक प्रचार	38 - 39
10.	अक्षरधाम मंदिर	पहली बार स्वामीनारायण (अक्षरधाम मंदिर) की होगी सहभागिता इंडिया स्टोनमार्ट-2026 में	40-41
11.	केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल	लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल से भेंट	42-43
12.	मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा	मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से लघु उद्योग भारती प्रतिनिधिमंडल की शिष्टाचार भेंट	44-45
13.	केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण	स्टोनमार्ट–2026 में सहभागिता हेतु केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को आमंत्रण	46

14.	इंडिया स्टोनमार्ट-राज्य स्तरीय संगोष्ठी-1	(उद्योग, खनन, वन एवं पर्यावरण विभाग), जॉइंट ग्रुप की स्थापना की घोषणा, पत्थर उद्योग के लिए GST की कमी की पहल)	47- 49
15.	प्राकृतिक पत्थर पर जीएसटी दर में कमी हेतु लघु उद्योग भारती प्रतिनिधिमंडल की ऐतिहासिक पहल	(श्री नरेश पारीक के नेतृत्व में उच्चस्तरीय नीति संवाद)	50
16.	उद्योग, पर्यावरण और खनिज क्षेत्र में संवाद का नया मंच —	इंडिया स्टोनमार्ट 2026 संगोष्ठी, उदयपुर	51 - 54
17.	कोटा संगोष्ठी में पत्थर उद्योग के तीन स्तंभों पर मंथन :	India Stonemart बनेगा वैश्विक उत्सव	55 - 58
18.	Marmomac 2025,	इटली में India Stonemart 2026	59 - 60
19.	उद्योगों के लिए नया अध्याय:	संयुक्त कार्यदल का गठन	61
20.	इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के प्रचार-प्रसार हेतु	लघु उद्योग भारती की पहल	62 - 64
21.	इंडिया स्टोनमार्ट 2026 की	तैयारियों की ऐतिहासिक प्रगति पर विस्तृत मंथन	65 - 66
22.	इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के लिए केंद्रीय मंत्रियों को	औपचारिक आमंत्रण नई दिल्ली में लघु उद्योग भारती प्रतिनिधिमंडल की महत्वपूर्ण पहल	67 - 68
23.	इंडिया स्टोन मार्ट 2026 को लेकर	मकराना–किशनगढ़ में व्यापारी संवाद मार्बल उद्योग को नए अवसरों से जोड़ने पर केंद्रित महत्वपूर्ण बैठक	69 - 70
24.	उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया स्टोन मार्ट इंडिया 2026	आधिकारिक पोस्टर का विमोचन राजस्थान की स्टोन विरासत को वैश्विक मंच से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम	71 - 72
25.	समापन	पथ आगे का – इंडिया स्टोनमार्ट–2026 की ओर निर्णायक कदम	73 - 77
26.	हमारे प्रायोजक		78
27.	उपलब्ध प्रायोजन अवसर		79
28.	लेआउट प्लान		80 - 83

भूमिका

" इंडिया स्टोनमार्ट– 2026 के बढ़ते क़दम, लघु उद्योग भारती के संग "

भारत की धरोहर में पत्थरों की शिल्पकला एक अमिट पहचान रखती है—चाहे वह खजुराहो के मंदिर हों या अजंता की गुफाएं, चित्तौड़ का किला हो, दिल्ली का लाल किला या राम मंदिर—प्राकृतिक पत्थरों में सजीव कला के माध्यम से यह देश अपनी सांस्कृतिक अस्मिता को युगों से संजोता आया है।

इसी गौरवशाली परंपरा को **वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने** हेतु माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में **सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS)** और **लघु उद्योग भारती (LUB) ने मिलकर *इंडिया स्टोनमार्ट–2026* का संकल्प लिया है।**

यह हमारे मुख्यमंत्री के अनुसार महज एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि **भारतीय पत्थर उद्योग की तकनीकी, व्यावसायिक और सांस्कृतिक क्षमताओं** का एक समग्र प्रस्तुतिकरण है, जो ***'लोकल टू ग्लोबल'*** की भावना को मूर्त रूप देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

यह दस्तावेज लघु उद्योग भारती की उस **रणनीतिक यात्रा** का क्रमिक दस्तावेज़ है, जिसमें CDOS और LUB ने मिलकर **राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मंचों** पर भारत के पत्थर उद्योग को **उद्यमिता, नवाचार, नीति, तकनीक और सहयोग** के माध्यम से प्रस्तुत किया। यह यात्रा केवल भौगोलिक सीमाओं का विस्तार नहीं है, बल्कि यह **वैचारिक, औद्योगिक और वैश्विक दृष्टिकोण की साझेदारी** का प्रतीक बन गई है तथा लघु उद्योग भारती हर संभव प्रयास इस दिशा में कर रही है।

आयोजक:- *सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS):*

सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS) एक स्वायत्त संस्था है जिसे राजस्थान सरकार और रीको (RIICO) द्वारा स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य भारत में आयामी पत्थर उद्योग के विकास, गुणवत्ता संवर्धन, प्रशिक्षण और शोध को प्रोत्साहित करना है। CDOS न केवल तकनीकी सहायता और परामर्श प्रदान करता है, बल्कि यह अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों, नेटवर्किंग, और नीति सलाह का एक प्रभावी मंच भी है।

सह-आयोजक:- *लघु उद्योग भारती (LUB):*

लघु उद्योग भारती (Laghu Udyog Bharati – LUB) 1994 से भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) को संगठित और सशक्त बनाने में संलग्न है। देश के 500 से अधिक जिलों में सक्रिय, 50,000 से अधिक उद्यमियों का सीधा नेटवर्क, यह संगठन स्वरोजगार, उद्यमिता और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु नीति स्तर पर भी कार्यरत है। LUB का मानना है कि "**स्वदेशी शक्ति ही आत्मनिर्भर भारत की नींव है।**" इसी सोच को लेकर LUB, इंडिया स्टोनमार्ट–2026 के माध्यम से **भारतीय पत्थर उद्योग को वैश्विक पहचान** दिलाने हेतु अग्रसर है।

1: समझौता ज्ञापन (MoU) का क्रियान्वयन – एक आधारशिला

1. आयोजन की पृष्ठभूमि:-

माननीय मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में व श्री प्रकाश चंद्र भाई साहब के निर्देशन में सीडॉस द्वारा लघु उद्योग भारती को इंडिया स्टोन मार्ट 2026 एवं ग्लोबल स्टोन टेक्नोलॉजी कार्यक्रम के आयोजन हेतु सह आयोजक नियुक्त किया गया इसी क्रम में 14 जून 2024 को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में **सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS)** और **लघु उद्योग भारती (LUB)** एवं रीको (RIICO) के मध्य **इंडिया स्टोनमार्ट–2026** के सफल आयोजन हेतु एक **समझौता ज्ञापन (MoU)** पर हस्ताक्षर किए गए। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारत के पत्थर उद्योग को एक **वैश्विक मंच** पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना है।

2. कार्यक्रम की अध्यक्षता व उपस्थिति:-

इस गरिमामय समारोह की अध्यक्षता **माननीय कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़**, मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य, राजस्थान सरकार द्वारा की गई। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में निम्न प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे:

- **श्री के. के. विश्नोई** , उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री
- **श्री अजिताभ शर्मा**, प्रमुख सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, राजस्थान
- **श्री शिव प्रसाद नकाते**, प्रबंध निदेशक, रीको
- **श्री प्रकाश चंद्र**, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, लघु उद्योग भारती
- **श्री घनश्याम ओझा**, राष्ट्रीय अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती
- **श्री राकेश गुप्ता**, उपाध्यक्ष, सीडॉस
- **श्री नरेश पारीक**, राष्ट्रीय सचिव, लघु उद्योग भारती
- **श्री नटवरलाल अजमेरा**, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, राजस्थान
- **श्री मुकुल रस्तोगी**, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीडॉस
- साथ ही CDOS गवर्निंग बोर्ड के पदाधिकारी
- राज्यभर के उद्योग प्रतिनिधिगण

3. समझौते के प्रमुख तत्व:-

इस MoU के अंतर्गत तीन प्रमुख संस्थाओं की भूमिकाएं स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई :

- **CDOS** – आयोजक (ORGANISER)
- **RIICO** – मुख्य प्रायोजक (PRINCIPAL SPONSOR)
- **LUB** – सह-आयोजक (CO-ORGANISER)

यह त्रिपक्षीय साझेदारी पारदर्शिता, सहयोग और उत्तरदायित्व की भावना से **इंडिया स्टोनमार्ट–2026** को एक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर **उच्चतम मानकों का आयोजन** बनाने हेतु प्रतिबद्ध है।

4. प्रमुख प्रावधान:-

- **ब्रांडिंग अधिकार:** "India Stonemart" ब्रांड व ट्रेडमार्क के सभी अधिकार CDOS को प्राप्त रहेंगे।
- **विभिन्न समितियों का गठन:**
  - **आयोजन समिति** – *नीति निर्धारण हेतु*
  - **स्टीयरिंग समिति** – *समन्वयन एवं कार्यान्वयन हेतु*
  - **कोर वर्किंग ग्रुप** – *संचालन व दैनिक निर्णयों हेतु*
- **LUB की ज़िम्मेदारी:** डिज़ाइन, स्थल विकास, प्रचार-प्रसार, मीडिया, लॉजिस्टिक्स, सहभागिता, अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग और कार्यक्रम निष्पादन
- **भविष्य दृष्टि:** इंडिया स्टोनमार्ट–2028 में भी LUB को सह-आयोजक के रूप में मान्यता देने की सैद्धांतिक सहमति

5. हस्ताक्षर और वक्तव्य:-

इस समझौते पर **श्री शिवप्रसाद नकाते (MD, RIICO)**, **श्री मुकुल रस्तोगी (CEO, CDOS)** एवं **श्री नटवरलाल अजमेरा (उपाध्यक्ष, LUB राजस्थान)** ने हस्ताक्षर किए।
मुख्य अतिथि **माननीय कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़** ने अपने संबोधन में कहा:

"इंडिया स्टोनमार्ट–2026 का आयोजन 5 से 8 फरवरी 2026 को जयपुर के जेईसीसी परिसर, सीतापुरा में किया जाएगा। इसका उद्देश्य भारतीय पत्थर उद्योग को अन्तर्राष्ट्रीय बाज़ारों में पहचान सुदृढ करनी है जिससे भारतीय पत्थर उद्योग अधिक प्रगति कर सके और साथ ही शिल्पकारों को भी प्रत्यक्ष रूप से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित करना है।"

"हमें पत्थर उद्योग पारंपरिक कारीगरों को सशक्त करना है, जिससे उनकी आजीविका सुनिश्चित हो और भारत की शिल्प परंपरा को वैश्विक पहचान मिले।"

6. निष्कर्ष:-

यह MoU **इंडिया स्टोनमार्ट–2026** को **केवल एक व्यापारिक प्रदर्शनी नहीं**, बल्कि **इंडिया स्टोनमार्ट** एक **वैश्विक ब्रांड** में परिवर्तित करने की दिशा में ठोस कदम है।

CDOS और LUB की यह साझेदारी तकनीक, व्यापार, निवेश और नीति के समन्वय से **भारतीय पत्थर उद्योग को एक सशक्त भविष्य** की ओर ले जाने का दिग्दर्शन करती है।

2: मार्मोमैक फेयर, वेरोना (इटली) भारत से विश्व तक का प्रस्तुतीकरण:

दिनांक: 24–27 सितंबर 2024
स्थान: वेरोना फेयर, वेरोना, इटली

मार्मोमैक 2024 प्राकृतिक पत्थर उद्योग की सबसे प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी है, जिसका आयोजन इटली के वेरोना शहर में हुआ। इसका **58 वां संस्करण** लगभग **74,000 वर्ग मीटर क्षेत्र** में फैला था, जिसमें **1485 कंपनियों** ने 55 देशों से भाग लिया और **50,000 से अधिक प्रोफेशनल विज़िटर्स** ने प्रदर्शनी देखी। इस मंच ने इंडिया स्टोनमार्ट–2026 के वैश्विक प्रचार का एक अनूठा अवसर प्रदान किया।

1. प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी:-

नाम	पदनाम
श्री के. के. विश्नोई	माननीय राज्य मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य, राजस्थान सरकार
श्री के. के. पाठक	सचिव, कार्मिक विभाग, राजस्थान सरकार
सुश्री टी. जे. कविता	प्रधान ओएसडी, मुख्यमंत्री कार्यालय, राजस्थान सरकार
श्री मुकुल रस्तोगी	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, CDOS
श्री राकेश गुप्ता	उपाध्यक्ष, CDOS
श्री नरेश पारीक	राष्ट्रीय सचिव, लघु उद्योग भारती
श्री नटवरलाल अजमेरा	उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, राजस्थान
श्री महेन्द्र कुमार खुराना	उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, राजस्थान

2. इंडिया स्टोनमार्ट 2026 प्रचार गतिविधियाँ:-

- इंडिया स्टोनमार्ट 2026 का विशेष बूथ लगाया गया, जिसका उदघाटन श्री के. के. विश्नोई ने भारतीय दूतावास के अधिकारियों एवं वाणिज्य प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया।
- ब्रोशर, डिजिटल फिल्म, पेन ड्राइव्स, क्यूआर लिंक्ड आमंत्रण सामग्री वितरित की गई।
- स्टॉल पर आए व्यवसायियों एवं विदेशी प्रतिनिधियों ने स्टोनमार्ट 2026 में सहभागिता की गहरी रुचि दिखाई।

3. प्रमुख द्विपक्षीय बैठकें और परिणाम:-

संस्था/देश	प्रतिनिधि	चर्चा का विषय
Confindustria Marmomacchine (इटली)	श्री फ्लावियो मराबेली	इटली पवेलियन के लिए आमंत्रण
Greek Marble Association (ग्रीस)	श्री जॉर्ज लियानोस	ग्रीक भागीदारी सुनिश्चित करना
Centrorochas (ब्राज़ील)	श्री टेल्स माचाडो	ब्राज़ील पवेलियन हेतु सहमति
Piedra Cluster (स्पेन)	श्री जेवियर फर्नांडेज़	तकनीकी सहभागिता और प्रचार
Natural Stone Institute (अमेरिका)	श्री जेम्स हीब	संयुक्त तकनीकी सहयोग
Stone Ideas (जर्मनी)	श्री पीटर बेकर	CDOS गतिविधियों का वैश्विक प्रचार
Pedrini (इटली)	श्री गियामबाटिस्ता	राजस्थान में उत्पादन इकाई लगाने की संभावना
Veronafiere (इटली)	श्री फेडरिको ब्रिकोला	भविष्य में CDOS से सहयोग हेतु आश्वासन
Mayor Of Verona	श्री डेमियानो टोमासी	राइजिंग राजस्थान में आमंत्रण एवं सहभागिता की सहमति

4. इंडस्ट्री नेटवर्किंग मीटिंग:-

- **25 सितंबर 2024 को** भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित नेटवर्किंग कार्यक्रम में 75+ भारतीय और विदेशी उद्यमियों ने भाग लिया।
- श्री के. के. पाठक और श्री के. के. विश्नोई ने राजस्थान की औद्योगिक संभावनाओं पर प्रस्तुति दी।
- उद्यमियों को इंडिया स्टोनमार्ट 2026 में भागीदारी का आमंत्रण दिया गया।

5. प्रमुख निष्कर्ष और प्रभाव:-

- **इंडिया स्टोनमार्ट 2026** की अन्तर्राष्ट्रीय पहचान में महत्वपूर्ण वृद्धि।
- 8 से अधिक देशों से समूह सहभागिता की संभावना। राजस्थान को निवेश और पत्थर उद्योग के लिए एक **उभरता हुआ वैश्विक केंद्र** के रूप में प्रस्तुत किया गया।

6. सुझाव और कार्यवाही हेतु बिंदु:-

1. द्विपक्षीय संस्थाओं से संपर्क बनाए रखना और सूचना का नियमित आदान-प्रदान करना।
2. इटली, ग्रीस, स्पेन, ब्राज़ील, तुर्की आदि से पवेलियन हेतु फॉलोअप।
3. Stone Ideas, Germany जैसे मीडिया प्लेटफॉर्म से प्रचार करवाना।
4. Pedrini जैसी मशीनरी कंपनियों से निवेश प्रस्ताव मजबूत करना।

7. निष्कर्ष:-

मार्मोमैक 2024 ने केवल इंडिया स्टोनमार्ट–2026 का प्रचार नहीं किया, बल्कि इसे एक वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया। इस आयोजन ने राजस्थान की **उद्योग-मैत्री नीतियों**, **वैश्विक नेटवर्क**, और **प्राकृतिक पत्थर उद्योग** को एक नई दिशा दी।

INDIA'S

CONFINDUSTRIA MARMOMACCHINE
RISERVATO

INDIA STONEMART 2026
INDIA'S

EXPO
INVEST IN THE FUTURE

3: ग्लोबल स्टोन टेक्नोलॉजी फोरम (GSTF) 2025 – नवाचार और साझेदारी की दिशा में एक सशक्त पहल:

1. आयोजन की प्रस्तावना:-

राजस्थान के पत्थर उद्योग को तकनीकी, पर्यावरणीय और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में **ग्लोबल स्टोन टेक्नोलॉजी फोरम (GSTF)** का **10वां संस्करण** 9–10 जनवरी 2025 को किशनगढ़ में आयोजित हुआ।

इस दो दिवसीय आयोजन ने न केवल **इंडिया स्टोनमार्ट–2026** के लिए आधार तैयार किया, बल्कि उद्योग, सरकार, अनुसंधान संस्थानों और विशेषज्ञों के बीच **ज्ञान साझा करने, नीति संवाद और तकनीकी सहयोग** का एक प्रभावी मंच प्रदान किया।

2. उदघाटन समारोह और प्रथम दिवस की प्रमुख उपस्थितियाँ:-

उदघाटन सत्र की अध्यक्षता **माननीय श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़**, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, राजस्थान सरकार द्वारा की गई।विशिष्ट अतिथियों में शामिल रहे:

- **श्री सुरेश सिंह रावत**, जल संसाधन मंत्री
- **श्री प्रकाश चंद**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, लघु उद्योग भारती
- **श्री नरेश पारीक**, राष्ट्रीय सचिव, लघु उद्योग भारती
- **श्री नटवरलाल अजमेरा**, संयोजक, GSTF
- **श्री अरुण कुमार जाजोदिया**, राज्य कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती
- **श्री महेन्द्र कुमार खुराना**, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती राजस्थान
- **श्रीमती अंजु सिंह**, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती
- **श्री राकेश गुप्ता**, उपाध्यक्ष, सीडॉस
- **श्री मुकुल रस्तोगी**, सीईओ, सीडॉस
- **श्री सुधीर जैन**, अध्यक्ष, किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन
- **श्री दिनेश सिंह राठौड़**, चेयरमैन, किशनगढ़ नागर निगम
- **सुश्री निशा सहारण**, उपखंड अधिकारी
- देशभर से आए **500+ उद्यमी प्रतिनिधि**

3. तकनीकी सत्र – दिन 1 (9 जनवरी 2025):-

सत्र 1: "अपशिष्ट से अवसर – स्टोन वेस्ट के नवाचार में उपयोग"

वक्ता	विषय	संस्था
श्री राजेश कुमार शर्मा	सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी इनोवेशन	CBRI, रुड़की
डॉ. रवींद्र नागर	स्टोन वेस्ट से टिकाऊ भवन निर्माण सामग्री	MNIT, जयपुर
श्री हरि मोहन शर्मा	प्राकृतिक पत्थरों की सतह संवर्धन की तकनीक	श्री महाराजा ग्रेनाइट्स

सत्र 2: "प्रोसेसिंग तकनीक में नवाचार – भविष्य के उपकरण"

वक्ता	विषय	संस्था
श्री यशवंत शर्मा	मल्टीवायर और नवीनतम प्रोसेसिंग तकनीकें	श्री भगवती मशीन
श्री इमैनुअल डी वॉकर	सतह उन्नयन की नवीनतम तकनीक	सेलानीज
श्री पिएरो बेटिनी व श्री सैम जावादी	रोबोटिक प्रोसेसिंग तकनीक	इटली

सत्र 3: "निर्यात, नीति एवं कौशल विकास"

वक्ता	संस्था
श्री पंकज राव	राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन परिषद
श्रीमती शिल्पा गोखरू	उद्योग विभाग, राजस्थान सरकार
श्री मोहम्मद कलाम	नेशनल स्किल डवलपमेंट कॉरपोरेशन (NSDC)

संचालन: श्री योगेश गौतम, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती

4. तकनीकी सत्र – दिन 2 (10 जनवरी 2025):-

सत्र 1: "Technology & Innovation – Pioneering the Future of Stones"

वक्ता	संस्था
श्री अरुण शेट्टी	विल्बर इंपैक्स
श्री हैरी सिदवानी	सम्राट केमिकल्स
श्री मेटियो वानी	टेनेक्स इटली

अध्यक्षता: श्री दीपक शर्मा, संयुक्त सचिव, लघु उद्योग भारती (चित्तौड़ आंचल)
संचालन: श्री मुकुल रस्तोगी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, CDOS

सत्र 2: "स्टोन इंडस्ट्री में मानकीकरण"

वक्ता	संस्था
डॉ. शशांक विश्नोई	प्रोफेसर, IIT दिल्ली

सत्र 3: "खनन और पर्यावरणीय सुधार"

वक्ता	संस्था
माइन सेफ्टी और पर्यावरण संरक्षण	डॉ. आयी नारायणन, DGM&S

परिचय: श्रीमती अंजु सिंह, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती
संचालन: श्री दीपक अजमेरा

5. प्रदर्शनी और सहभागिता:-

- **24 स्टॉल** – आधुनिक मशीनरी, प्रोसेसिंग तकनीक और सरकारी योजनाओं का प्रदर्शन
- **500+ प्रतिभागी** – विभिन्न राज्यों एवं विदेशी प्रतिनिधियों सहित
- **आयोजक संस्थाएं:** CDOS, RIICO, किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन, लघु उद्योग भारती

6. समापन सत्र – प्रमुख घोषणाएं और उपस्थिति:-

मुख्य अतिथि:

- श्री **भागीरथ चौधरी**, राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण, भारत सरकार
- श्री **संजय शर्मा**, मंत्री, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, राजस्थान

घोषणाएं:

- **श्री संजय शर्मा** द्वारा "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान को प्रोत्साहित करने के साथ किशनगढ़ के डंपिंग यार्ड हेतु अतिरिक्त भूमि आवंटन की घोषणा
- **श्री भागीरथ चौधरी** द्वारा:
    - किशनगढ़ में **100-बिस्तर वाला ESI अस्पताल** हेतु भूमि आवंटन
    - **किशनगढ़ एयरपोर्ट** का अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार
    - **अजमेर रेलवे स्टेशन** के निर्माण हेतु ₹498 करोड़ की स्वीकृति
    - **GST दर** को 18% से घटाकर **12%** किए जाने हेतु प्रयास का आश्वासन

7. निष्कर्ष:-

GSTF–2025 ने तकनीकी नवाचार, नीति सहयोग, और वैश्विक नेटवर्किंग के माध्यम से **इंडिया स्टोनमार्ट–2026** को एक रणनीतिक और व्यावसायिक ऊर्जा प्रदान की।

यह आयोजन न केवल किशनगढ़ को एक **वैश्विक स्टोन टेक्नोलॉजी हब** के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ, बल्कि भारतीय पत्थर उद्योग की **वैज्ञानिकता, पारंपरिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता** को एक साथ जोड़ने का दुर्लभ अवसर भी सिद्ध हुआ।

GSTF
Bhagwati

4: STONA 2025 – भारत में स्टोन सेक्टर की अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी बैंगलोर में इंडिया स्टोन मार्ट का प्रचार:

12–15 फरवरी 2025 को बेंगलुरु में आयोजित STONA प्रदर्शनी में CDOS और लघु उद्योग भारती ने संयुक्त रूप से इंडिया स्टोनमार्ट–2026 के प्रचार हेतु भाग लिया।

प्रदर्शनी स्टॉल में राजस्थान की पत्थर विरासत, तकनीकी नवाचार, और स्टोनमार्ट से जुड़ी जानकारी को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। भारत के विभिन्न राज्यों से आए उद्यमियों और मशीन निर्माताओं से संवाद हुआ। 100 से अधिक संगठनों ने स्टोनमार्ट में भाग लेने की रुचि जताई। यह प्रदर्शनी BIEC बैंगलोर में आयोजित की गई थी।

STONA, भारत में प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय पत्थर प्रदर्शनी है, जिसे **फेडरेशन ऑफ़ ग्रेनाइट एंड स्टोन इंडस्ट्रीज़ (FIGSI)** द्वारा आयोजित किया जाता है। 2025 में इसके **16वें संस्करण** में **सीडॉस (CDOS)** एवं **लघु उद्योग भारती (LUB)** ने संयुक्त रूप से भाग लेकर **इंडिया स्टोनमार्ट–2026** के लिए सक्रिय प्रचार-प्रसार किया।

1. प्रमुख उद्देश्य:-

- **इंडिया स्टोनमार्ट–2026** के लिए भागीदारी बढ़ाना
- संभावित राष्ट्रीय प्रतिभागियों से संपर्क स्थापित करना
- MSMEs, मशीनरी निर्माताओं, निर्यातकों और स्टोन प्रोसेसरों को आकर्षित करना
- अन्य राज्यों की स्टोन एसोसिएशनों को ISM 2026 में शामिल करना

2. इंडिया स्टोनमार्ट स्टॉल सेटअप और प्रस्तुति:-

- **प्रमोशनल स्टॉल**, जिसमें: ISM 2026 की डॉक्युमेंट्री फिल्म, ब्रोशर, आमंत्रण पत्र, तकनीकी विवरण, डिजिटल स्क्रीन और QR आधारित जानकारी
- **डिजाइन थीम:** "भारत का पत्थर भारत से विश्व तक" प्रदर्शनी स्टॉल में राजस्थान की पत्थर कला, मार्बल, सैंडस्टोन, ग्रेनाइट की विशिष्ट झलक प्रस्तुत की गई।

3. प्रमुख विज़िटर्स और मुलाकातें:-

- **फिग्सी (FIGSI)** के पदाधिकारियों एवं संयोजकों के साथ बैठकें
- कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, उड़ीसा, गुजरात, महाराष्ट्र, और मध्यप्रदेश के पत्थर उत्पादकों से संवाद
- अन्तर्राष्ट्रीय आगंतुकों से ISM 2026 के लिए संभावित साझेदारी चर्चा

4. प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रमुख सदस्य:-

LUB

- **श्री प्रकाश चंद्र**, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, लघु उद्योग भारती
- **श्री घनश्याम ओझा,** राष्ट्रीय अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती
- **श्री नरेश पारीक**, राष्ट्रीय सचिव, लघु उद्योग भारती
- **श्री नटवरलाल अजमेरा**, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती राजस्थान
- **श्री महेन्द्र कुमार खुराना**, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती राजस्थान
- **श्री योगेश गौतम**, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती

CDOS

- **श्री मुकुल रस्तोगी**, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, **CDOS**
- **श्री विवेक जैन, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, CDOS**

5. प्रभाव और प्राप्त निष्कर्ष:-

- **100+ राष्ट्रीय स्टेकहोल्डर्स से सक्रिय संवाद**
- कई प्रमुख स्टोन मशीनरी कंपनियों ने ISM 2026 में भागीदारी हेतु रुचि जताई
- अनेक छोटे उद्यमियों ने पहली बार जयपुर में प्रदर्शनी लगाने का विचार साझा किया

STONA 2025 भारत के भीतर इंडिया स्टोनमार्ट–2026 का प्रभावी प्रचार का अवसर सिद्ध हुआ। इसने घरेलू नेटवर्क को मज़बूत करते हुए MSME उद्यमियों और नई तकनीकी कंपनियों को जयपुर के आयोजन से जोड़ने की नींव रखी।

WWW.ROONGTAKOTA.COM
Art is often wisdom spoken in silent words!
FIRE EXIT

PEARL
WHITE
ARMANI BROWN

IRAN PAVILION
پاویون ایران
www.Iranstoneassociation.ir
17th
IRAN
STONE
EXPO
2025
7-10 OCTOBER
MAHALLAT
NIMVAR
IRAN STONE
TOWARDS GLOBAL MARKET
www.iranstoneexpo.com
IRAN STONE ASSOCIATION
Stone Industry Sound
Natural Stone Quarries
Export

SDP MACHINES
SDP MACHI

STONES OF RAJASTHAN
LAGHU UDYOG BHARATI
UDYOG TIMES

BMFG

5: शियामेन स्टोन फेयर 2025 – एशिया के द्वार पर भारत की पहचान:

शियामेन इंटरनेशनल स्टोन फेयर, **चीन** दुनिया की सबसे बड़ी और एशिया की सबसे प्रभावशाली स्टोन प्रदर्शनी मानी जाती है। 2025 में इस फेयर में 1500+ अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शकों और 1 लाख से अधिक विज़िटर्स ने भाग लिया। इस मंच पर **CDOS** और **लघु उद्योग भारती (LUB)** ने **इंडिया स्टोनमार्ट–2026** को वैश्विक उपस्थिति देने के लिए अपनी भागीदारी दर्ज करवाई।

1. प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख सदस्य:-

LUB

- **श्री नरेश पारीक**, राष्ट्रीय सचिव, लघु उद्योग भारती
- **श्री नटवरलाल अजमेरा**, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती राजस्थान
- **श्री महेन्द्र कुमार खुराना**, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती राजस्थान
- **श्री योगेश गौतम**, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती
- **श्री सुरेश कुमार विश्नोई**, **संयुक्त महामंत्री** लघु उद्योग भारती

CDOS

- **श्री विवेक जैन, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक,** सीडॉस

2. प्रस्तुतीकरण एवं प्रचार सामग्री:-

- **इंडिया स्टोनमार्ट–2026** के लिए समर्पित बूथ
- मल्टीमीडिया प्रेजेंटेशन, होलोग्राफिक विज़ुअल्स और QR कोड-आधारित सामग्री
- 500 से अधिक प्रमोशनल ब्रोशर और आमंत्रण चीनी व अन्तर्राष्ट्रीय कंपनियों को वितरित

3. प्रमुख इंटरैक्शन एवं प्रचार संवाद:-

1. **चाइना स्टोन एसोसिएशन** के साथ द्विपक्षीय वार्ता
    - सीडॉस को "इंडिया पवेलियन" में सम्मानित अतिथि के रूप में मान्यता
    - आगामी ISM 2026 में चीनी स्टोन प्रोसेसर्स के समूह भागीदारी पर सहमति
2. **Xiamen Import-Export Promotion Council**
    - ISM 2026 के लिए बी2बी संपर्क बढ़ाने का प्रस्ताव
    - भारत-चीन स्टोन टेक्नोलॉजी विनिमय कार्यक्रम की संभावना पर चर्चा
3. **CNC मशीनरी व मेटल ब्लेड निर्माता कंपनियाँ**
    - जयपुर में संभावित तकनीकी वर्कशॉप आयोजित करने की रुचि व्यक्त की

4. प्रदर्शनी का अवलोकन:-

- 180,000 वर्ग मीटर में विस्तृत आयोजन
- शामिल देश: चीन, इटली, तुर्की, ईरान, ब्राज़ील, वियतनाम, भारत
- प्रमुख उत्पाद: ग्रेनाइट, मार्बल, ब्लू स्टोन, कटिंग टूल्स, ऑटोमैटिक मशीनरी
- 20+ टेक्नोलॉजी लॉन्च, 40 से अधिक तकनीकी सेमिनार

5. प्रभाव और उपलब्धियाँ:-

- **100+ कंपनियों के साथ संवाद**, जिनमें 25 ने ISM 2026 में भाग लेने की मौखिक सहमति दी
- भारतीय पत्थर के प्रति चीन, वियतनाम और ताइवान के आगंतुकों में गहरी रुचि
- ISM 2026 के लिए नए तकनीकी साझेदारों की संभावनाएँ निर्मित हुईं

6. निष्कर्ष:-

शियामेन स्टोन फेयर 2025 ने **इंडिया स्टोनमार्ट–2026** को **एशियाई बाजार में तकनीक, व्यापार और नेटवर्किंग** के व्यापक दायरे में स्थापित किया। भारत की उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि हम तकनीकी दृष्टि से परिपक्व, डिज़ाइन के प्रति सजग और व्यावसायिक दृष्टिकोण से तैयार हैं।

印度
INDIA
A3272
India StoneMart 2026
印度
INDIA
A3272
India StoneMart 2026

www.Farasouy.com

印度之最
世界之巅

INDIA'S
BIGGEST
WORLD'S FINEST
印度之最
世界之巅

6: इज़मिर मार्बल फेयर 2025 – यूरोप और एशिया के संगम पर भारत की उपस्थिति:

09–12 अप्रेल 2025 को तुर्की के इज़मिर शहर में आयोजित इस मेले में भारत की भागीदारी CDOS व LUB के माध्यम से हुई। इंडिया स्टोनमार्ट–2026 के लिए तुर्की, ईरान, रूस, मोरक्को जैसे देशों से बार्टर बूथ व तकनीकी सेमिनार की सहमति बनी।
प्रदर्शनी में 1000+ स्टॉल्स और 35 देशों की भागीदारी रही। भारत के स्टॉल ने डिजाइन, गुणवत्ता और व्यापारिक दृष्टिकोण से विशिष्ट उपस्थिति दर्ज की।

इज़मिर मार्बल फेयर, तुर्की की सबसे बड़ी प्राकृतिक पत्थर और टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी है, जो यूरेशिया के पत्थर व्यापार का प्रमुख केंद्र मानी जाती है। इस मेले में सीडॉस और लघु उद्योग भारती की सहभागिता ने **इंडिया स्टोनमार्ट–2026** के लिए नए संपर्क, साझेदारियाँ और ब्रांड उपस्थिति को बल दिया।

1. प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख सदस्य:-

LUB

- **श्री नटवरलाल अजमेरा**, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, राजस्थान

CDOS

- **श्री मुकुल रस्तोगी**, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीडॉस

2. प्रस्तुति और प्रचार:-

- **इंडिया स्टोनमार्ट–2026 का स्टॉल** आकर्षण का केंद्र बना
- त्रिभाषी (हिंदी-अंग्रेज़ी-तुर्की) प्रोमो वीडियो और विज़ुअल डिस्प्ले
- ब्रॉशर, आमंत्रण पत्र, QR आधारित पंजीकरण फॉर्म वितरित
- तुर्की व विदेशी प्रतिनिधियों को राजस्थान में निवेश हेतु प्रोत्साहित किया गया

3. प्रमुख द्विपक्षीय वार्ताएं और भागीदारी प्रस्ताव:-

1. **इस्तांबुल चेम्बर ऑफ कॉमर्स व तुर्की स्टोन एक्सपोर्टर्स यूनियन के साथ बैठक**
    - ISM 2026 में तुर्की पवेलियन के लिए बार्टर बूथ की पेशकश
    - दोनों पक्षों के बीच B2B कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति
2. **ईरान, मोरक्को, रूस के स्टोन एक्सपोर्टर्स से वार्ता**
    - भारत आने की संभावनाओं पर चर्चा
    - ISM 2026 के लिए तकनीकी सेमिनार और कल्चरल एक्सचेंज प्रस्तावित
3. **KSA प्रतिनिधियों से संवाद**
    - भारत-तुर्की स्टोन ट्रेड कॉन्क्लेव 2026 की प्राथमिक सहमति बनी

4. प्रदर्शनी की विशेषताएं:-

- **1000+ स्टॉल**, 35+ देशों की भागीदारी
- ग्रेनाइट, ट्रावर्टीन, सैंडस्टोन, कटिंग/फिनिशिंग मशीनरी की विशिष्ट प्रदर्शनी
- B2B बैठकें, लाइव डेमो, डिजाइन/आर्किटेक्चर सत्र
- औद्योगिक निवेशक, कंसल्टेंट्स और तकनीकी विशेषज्ञों की गहन सहभागिता

5. उपलब्धियाँ और निष्कर्ष:-

- 30 से अधिक तुर्की, ईरानी, मोरक्कन कंपनियों ने ISM 2026 में भागीदारी में रुचि जताई
- बार्टर बूथ योजना को सराहा गया – "तुर्की में भारत का स्टॉल, भारत में तुर्की का"
- CDOS द्वारा राजस्थान की नीतियों व लॉजिस्टिक्स सपोर्ट की प्रस्तुति ने प्रतिनिधियों को प्रभावित किया

इज़मिर फेयर में भारत की भागीदारी ने यह दर्शाया कि इंडिया स्टोनमार्ट–2026 केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि **वैश्विक स्तर पर सहयोग, व्यापार और तकनीकी आदान-प्रदान का एक मंच है।**

7: Coverings 2025, ऑरलैंडो – भारत की प्रस्तुति अमेरिका के पत्थर बाजार में:

29 अप्रेल – 2 मई 2025, Coverings 2025, ऑरलैंडो, फ्लोरिडा, उत्तरी अमेरिका का सबसे बड़ा सिरेमिक टाइल और प्राकृतिक पत्थर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन है। इस वर्ष, यह मेला अमेरिका के ऑरलैंडो शहर में आयोजित हुआ, जिसमें 40 से अधिक देशों की 1000+ कंपनियों ने भाग लिया। CDOS और लघु उद्योग भारती ने इस मंच का उपयोग India Stonemart 2026 के वैश्विक प्रचार के लिए किया।

1. प्रतिनिधि मंडल:-

LUB

- **श्री योगेश गौतम,** पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती

CDOS

- **श्री मुकुल रस्तोगी**, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीडॉस

2. प्रमुख गतिविधियाँ एवं प्रचार:-

Laghu Udyog Bharati द्वारा 200 वर्ग फीट का एक बूथ लगाया गया, जहाँ India Stonemart 2026 और CDOS की प्रचार सामग्री वितरित की गई। विभिन्न देशों से आए विज़िटर्स और व्यापारियों ने इस स्टॉल पर उत्साहपूर्वक सहभागिता की और जयपुर में फरवरी 2026 को प्रस्तावित इंडिया स्टोनमार्ट में भाग लेने में रुचि दिखाई।

3. महत्वपूर्ण बैठकें:-

Natural Stone Institute (USA): श्री जेम्स ए. हीब (CEO) के साथ बैठक में अमेरिका से 15–20 प्रमुख वितरकों का प्रतिनिधिमंडल लाने हेतु प्रस्ताव दिया गया। Hosted Buyer Programme के अंतर्गत स्थानीय आतिथ्य व टिकट की व्यवस्था पर सहमति बनी।

Assimagra (पुर्तगाल):- श्री नेल्सन क्रिस्टो के साथ पुर्तगाल मंडप लगाने और समूह सहभागिता पर सकारात्मक चर्चा हुई।

Centrorochas (ब्राज़ील):- सुश्री करिना फिर्मे से ब्राज़ीलियन कंपनियों की भागीदारी और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने पर चर्चा हुई।

Pokharna Group (भारत):- श्री गौतम चंद जैन से भारत की अग्रणी क्वार्ट्ज निर्माता कंपनी की भागीदारी पर चर्चा हुई।

Messe Esang (कोरिया):- कोरिया में आयोजित Korea Build Week के लिए बार्टर बूथ की पेशकश।

Stonetech (कनाडा):- आपसी प्रदर्शनी सहयोग, बूथ एक्सचेंज और भारतीय व्यापारियों को कनाडा में अवसरों पर बात हुई।

FM Exhibit (USA):- अमेरिकी लॉजिस्टिक्स कंपनी से विज़िटर प्रतिनिधिमंडल भेजने और ग्राहक डेटा साझा करने पर बात हुई।

Valued Show (चीन):- चीन से Pavilion प्रतिभागिता हेतु वीजा संबंधी समस्याओं पर फॉलोअप चर्चा।

4. प्रमुख निष्कर्ष एवं प्रभाव:-

India Stonemart 2026 के प्रचार ने अमेरिका, ब्राज़ील, पुर्तगाल, चीन, इटली, टर्की, मिस्र और वियतनाम जैसे देशों की कंपनियों को आकर्षित किया।

कई कंपनियाँ न केवल प्रदर्शनी में भाग लेना चाहती हैं, बल्कि भारत में निर्माण इकाइयाँ स्थापित करने पर भी विचार कर रही हैं, विशेष रूप से राजस्थान को प्राथमिकता दी जा रही है।

CDOS व लघु उद्योग भारती की सहभागिता से वैश्विक उद्योग जगत में राजस्थान की प्रस्तुति को मजबूती मिली।

5. अनुसरणीय कार्य:-

Natural Stone Institute व अन्य संस्थानों के साथ जानकारी का नियमित आदान-प्रदान।
Assimagra व Centrorochas के साथ देश मंडप की पुष्टि।
Messe Esang व Stonetech के साथ बार्टर बूथ व्यवस्था सुनिश्चित करना।
Coverings मेले में हर वर्ष भारतीय भागीदारी की निरंतरता।

6. निष्कर्ष:-

Coverings 2025 में CDOS की भागीदारी India Stonemart 2026 के लिए वैश्विक मंच तैयार करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम सिद्ध हुई है। यह अध्याय अन्तर्राष्ट्रीय उद्योग संवाद, सहभागिता और नेटवर्किंग की दृष्टि से अत्यंत प्रभावशाली रहा।

8: लंदन यात्रा – यूके स्टोन शो में इंडिया स्टोनमार्ट–2026 का वैश्विक प्रचार:

7–9 मई 2025, "The Stone Show & Hard Surfaces 2025" ExCeL लंदन, यूनाइटेड किंगडम की अग्रणी प्राकृतिक पत्थर और हार्ड सरफेस प्रदर्शनी है, जिसे UK Construction Week के साथ सह-आयोजित किया गया। इस प्रदर्शनी में 300+ प्रदर्शकों, 200+ घंटे के प्रशिक्षण सत्र, और 300+ विशेषज्ञ वक्ताओं ने भाग लिया, जिससे यह आयोजन नवाचार, डिजिटलीकरण, और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक प्रमुख मंच बन गया।

भारत की ओर से सीडॉस और लघु उद्योग भारती के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने इस प्रदर्शनी में भाग लेकर इंडिया स्टोनमार्ट–2026 के अन्तर्राष्ट्रीय प्रचार का मार्ग प्रशस्त किया।

1. प्रतिनिधिमंडल:-

LUB

- **श्री नरेश पारीक**, राष्ट्रीय सचिव, लघु उद्योग भारती
- **श्री अरुण कुमार जाजोदिया**, राज्य कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती

CDOS

- **श्री विवेक जैन**, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, सीडॉस

2. प्रमुख बैठकें एवं भागीदारी:-

- चीन, आयरलैंड, पोलैंड, इटली और टर्की की कंपनियों के साथ व्यापारिक बैठकें
- कई कंपनियों ने इंडिया स्टोनमार्ट–2026 में भागीदारी और भारत में निर्माण इकाइयाँ स्थापित करने में रुचि व्यक्त की।
- Federation Stone – Great Britain के साथ एक औपचारिक बैठक हुई, जिसमें ब्रिटेन से खरीदार प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित किया गया। संस्था ने सकारात्मक उत्तर देते हुए प्रायोजन सहयोग की संभावना पर भी सहमति दी।

3. सीबीएसई (CIBSE) और एलसीए (LCA) प्रशिक्षण:-

- CIBSE द्वारा 50 से अधिक तकनीकी पाठ्यक्रमों (ऊर्जा दक्षता, भवन सुरक्षा, जल प्रबंधन, ग्रीन बिल्डिंग आदि) की जानकारी दी गई
- NABERS UK प्रणाली से ऊर्जा प्रदर्शन रेटिंग की जानकारी मिली
- Life Cycle Assessment (LCA) प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से Construction Carbon संस्था ने संपूर्ण जीवनचक्र कार्बन प्रभाव मापन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण की पेशकश की
- यह मॉडल भारत में India Stonemart 2026 के दौरान प्रशिक्षण मॉड्यूल, कार्यशालाओं और ESG नीति में एकीकृत किया जा सकता है।

4. प्रमुख सत्र और तकनीकी मंच (सेमिनार सारांश):

प्रमुख मंच:-

- Building London's Future – श्री टॉम कॉपले द्वारा, लंदन की आवास और अवसंरचना नीति पर चर्चा
- Delivering 1.5M Homes – Clarion Housing, RICS और अन्य विशेषज्ञों द्वारा नीति संवाद
- Designing for a Net Zero Future – आर्किटेक्ट्स और पर्यावरण विशेषज्ञों द्वारा कार्बन न्यूट्रल डिज़ाइन पर चर्चा
- Cracking the Carbon Code – TM65 मानकों पर तकनीकी सत्र

डिजिटल निर्माण केंद्र (Digital Hub):-

- AI/VR in AEC – आभासी रियलिटी तकनीक और प्रशिक्षण के नए आयाम
- Unlocking the Digital Supply Chain – आपूर्ति श्रृंखला में डेटा आधारित समन्वय

संवेदनशील विषय (Skills & Inclusion):-

- Social Value & EDI – कार्यस्थल में समावेशिता, मानसिक स्वास्थ्य, और महिलाओं की भागीदारी पर चर्चा

स्टोन थियेटर (Stone Theatre):-

- UK Stone – Eco-Friendly Option और Structural Stone Guide के लॉन्च द्वारा पर्यावरणीय और संरचनात्मक मापदंडों की जानकारी
- UK स्टोन का वैश्विक बाजार में पर्यावरणीय विकल्प के रूप में प्रचार

5. सांस्कृतिक व ऐतिहासिक अनुभव:-

प्रतिनिधिमंडल ने लंदन में निम्न स्थलों का भी भ्रमण किया –

- Eton College – ब्रिटेन का ऐतिहासिक शैक्षणिक संस्थान
- Buckingham Palace – राजसी वास्तुकला का अनुभव
- Ajay Agrawal निवास पर श्याम भक्ति संध्या – प्रवासी भारतीय समुदाय की सांस्कृतिक प्रतिबद्धता
- BAPS Swaminarayan Mandir – भारत के बाहर निर्मित पहला स्वामीनारायण मंदिर

6. निष्कर्ष:-

The Stone Show & Hard Surfaces 2025 में भागीदारी ने India Stonemart–2026 की वैश्विक पहचान को सशक्त किया। तकनीकी सत्रों, सांस्कृतिक संवाद और व्यापारिक सहभागिता के माध्यम से यह यात्रा भारत के पत्थर उद्योग को अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई।

9: स्टोन इंडस्ट्री 2025: मॉस्को में इंडिया स्टोनमार्ट–2026 का वैश्विक प्रचार

24 – 26 जून 2025 को, भारत ने पहली बार संगठित रूप से रूस के मॉस्को स्थित क्रोकस एक्सपो सेंटर में आयोजित स्टोन इंडस्ट्री 2025 प्रदर्शनी में भाग लिया । यह प्रदर्शनी रूस और पूर्वी यूरोप की प्राकृतिक पत्थर उद्योग से जुड़ी सबसे प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी मानी गई थी, जिसमें संगमरमर, ग्रेनाइट, टूल्स, मशीनरी, रसायन, डिजाइन एवं निर्माण क्षेत्र की अग्रणी वैश्विक कंपनियाँ शामिल हुई थीं |

1. प्रतिनिधिमंडल:-

LUB

- **श्री नरेश पारीक**, राष्ट्रीय सचिव, लघु उद्योग भारती
- **श्री सुरेश विश्नोई**, क्षेत्रीय सचिव, लघु उद्योग भारती
- **श्री दीपक अजमेरा,** सचिव, लघु उद्योग भारती, जयपुर

CDOS

- **श्री मुकुल रस्तोगी,** मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीडॉस

2. प्रमुख बैठकें एवं भागीदारी:-

- स्टोन इंडस्ट्री 2025, मॉस्को का भव्य उद्घाटन 24 जून को क्रोकस एक्सपो में आयोजित
- 25वें संस्करण में रूस, भारत, इटली, चीन, तुर्की, ईरान सहित कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया
- India Stonemart की ओर से पहली बार भारत के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की आधिकारिक भागीदारी
- निम्न अधिकारियों के साथ प्रमुख व्यापारिक बैठकें संपन्न:
    - दिमित्री मेद्यांतसेव – अध्यक्ष, स्टोन सेंटर एसोसिएशन ऑफ रशियन स्टोन इंडस्ट्री एंटरप्राइजेज
    - मारिया त्रेत्याकोवा – निदेशक, स्टोन इंडस्ट्री प्रदर्शनी
    - रूस के पत्थर उद्योग से जुड़े व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल को India Stonemart 2026 में आमंत्रित करने पर सहमति

3. व्यापारिक सहयोग के बिंदु:

- स्टोन इंडस्ट्री 2025 प्रदर्शनी स्थल: क्रोकस एक्सपो
- लगभग 300 अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शक – प्राकृतिक पत्थर, संगमरमर, ग्रेनाइट, औद्योगिक मशीनरी, डिज़ाइन समाधान आदि
- बी2बी नेटवर्किंग, व्यापार समझौते, संयुक्त उद्यम और निवेश की विस्तृत संभावनाएँ
- भारत की उपस्थिति को वैश्विक व्यापारического रणनीति के रूप में सराहा गया

4. सांस्कृतिक व ऐतिहासिक अनुभव:

- मॉस्को के प्रमुख सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण
- रूस की समृद्ध विरासत, वास्तुशिल्प सौंदर्य और ऐतिहासिक प्रेरणा से आत्मीय जुड़ाव
- यह यात्रा केवल व्यावसायिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक समावेशन की मिसाल बनी

5. निष्कर्ष

- Stone Industry 2025 में भारत की भागीदारी ने न केवल भारत-रूस व्यापार सहयोग को नई दिशा दी, बल्कि India Stonemart 2026 की वैश्विक पहचान को भी मजबूती प्रदान की।
- इस आयोजन के माध्यम से भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका की ओर अग्रसर होने का संकेत दिया।
- भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदार की भूमिका में उभर रहा है।

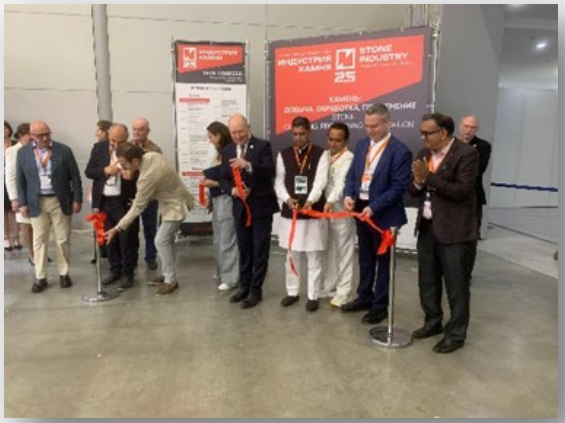

10: पहली बार स्वामीनारायण (अक्षरधाम मंदिर) की होगी सहभागिता इंडिया स्टोनमार्ट-2026 में

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 में पहली बार स्वामीनारायण संप्रदाय भाग ले रहा है। स्वामीनारायण संस्था 450 वर्ग मीटर में एक मंदिर का प्रदर्शन करेगी, जिसमें मंदिर निर्माण की कला, धार्मिक परंपराएं और आधुनिक तकनीक को दिखाया जाएगा |

1. प्रतिनिधिमंडल:-

LUB

- **श्री नरेश पारीक**, राष्ट्रीय सचिव, लघु उद्योग भारती
- **श्री योगेश गौतम**, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती
- **श्री नटवरलाल अजमेरा**, संयोजक, स्टोनमार्ट
- **श्री सुरेश विश्नोई**, संयुक्त महामंत्री, जोधपुर आंचल

CDOS

- **श्री मुकुल रस्तोगी,** मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीडॉस
- **श्री विवेक जैन**, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, सीडॉस

2. प्रमुख बैठकें एवं भागीदारी:-

- इंडिया स्टोनमार्ट–2026 में पहली बार स्वामीनारायण (अक्षरधाम मंदिर) संप्रदाय की होगी सहभागिता स्वामीनारायण संस्था द्वारा 450 वर्ग मीटर में मंदिर निर्माण की शिल्पकला, धार्मिक परंपरा और आधुनिक तकनीक का जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा
- संस्था अब तक विश्वभर में 1,100 से अधिक मंदिरों का निर्माण कर चुकी है, जिसमें नई दिल्ली स्थित विश्वविख्यात अक्षरधाम मंदिर प्रमुख है
- यह मंदिर 234 नक्काशीदार स्तंभों, 9 गुम्बदों, और 20,000 से अधिक मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है – जिसे "विश्व का सबसे बड़ा व्यापक हिंदू मंदिर" घोषित किया गया है (गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड)

3. सहभागिता पूर्व बैठक एवं स्थलीय निरीक्षण:

- स्वामीनारायण संस्था की सहभागिता को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक में भाग लेने वाले गणमान्य:
- स्वामी ईश्वरदास जी महाराज
- स्वामी अक्षर प्रेम जी महाराज
- श्री नरेश पारीक, योगेश गौतम, नटवरलाल अजमेरा, श्री सुरेश विश्नोई (लघु उद्योग भारती)
    - संस्थान की टीम द्वारा JECC (जयपुर एग्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर) का स्थलीय निरीक्षण किया गया
    - निरीक्षण में CDOS टीम से श्री मुकुल रस्तोगी एवं श्री विवेक जैन उपस्थित रहे
    - नोवोटेल होटल की ओर से श्री सार्थक दास एवं श्री शशांक सोलंकी (मैनेजर) भी उपस्थित रहे
    - प्रदर्शनी स्थल की अवस्थिति, लॉजिस्टिक्स, सुविधाओं, प्रदर्शनी योजना पर गहन मंथन हुआ

4. प्रस्तुतीकरण की विशेषताएँ:

- राजस्थान के पिंडवाड़ा (सिरोही) स्थित अत्याधुनिक कार्यशाला में 250 से अधिक CNC मशीनों द्वारा निर्माण कार्य
- मंदिरों, मूर्तियों एवं पत्थर शिल्प घटकों का निर्माण अत्यंत परिशुद्धता व पारंपरिक शास्त्रीय मापदंडों के अनुरूप धार्मिक कला और आधुनिक इंजीनियरिंग का समन्वय – इंडिया स्टोनमार्ट–2026 में विशेष रूप से प्रदर्शित होगा

5. निष्कर्ष

- इंडिया स्टोनमार्ट–2026 में स्वामीनारायण संप्रदाय की ऐतिहासिक भागीदारी भारतीय पत्थर शिल्प उद्योग एवं आध्यात्मिक स्थापत्य कला को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करेगी।
- यह सहभागिता केवल धार्मिक भावनाओं का प्रदर्शन नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीकों के साथ भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की प्रस्तुति भी होगी।
- संस्था की उपस्थिति आयोजन को एक नया आयाम देगी – जहाँ परंपरा और प्रौद्योगिकी का अद्भुत संगम दिखाई देगा।

11: लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल की केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल से भेंट

लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधियों ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। यह मुलाकात इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के संदर्भ में हुई |

1. प्रतिनिधिमंडल:-

- **श्री ओमप्रकाश गुप्ता,** राष्ट्रीय महामंत्री
- **श्री योगेश गौतम**, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती
- **श्री महेन्द्र मिश्रा**, अध्यक्ष, जयपुर आंचल
- **श्री राजेश ज़ीरावाला** – सदस्य

2. प्रमुख बैठकें एवं भागीदारी:-

- दिनांक 26 जून 2025 को लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल से भेंट कर India Stonemart–2026 की जानकारी दी और मंत्री जी को कार्यक्रम में आमंत्रित किया |
- माननीय मंत्री जी ने आयोजन के प्रति उत्सुकता व्यक्त की तथा मंत्रालय के अधिकारियों को आवश्यक सहयोग हेतु निर्देशित किया|
- प्रतिनिधिमंडल ने BIS और तेलंगाना के खनिज भंडारण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया |
- प्रतिनिधिमंडल में उपस्थित:
    - श्री ओमप्रकाश गुप्ता
    - श्री योगेश गौतम
    - श्री महेन्द्र मिश्रा
    - श्री महेन्द्र देवड़ा

3. निष्कर्ष

India Stonemart–2026 की तैयारियाँ केंद्र सरकार, धार्मिक संस्थाओं एवं औद्योगिक प्रतिनिधियों के सक्रिय सहयोग से नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर हैं।

- केंद्रीय मंत्री से प्राप्त समर्थन ने आयोजन की राष्ट्रीय महत्ता को बल प्रदान किया |
- यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक, तकनीकी और औद्योगिक क्षमता को एकीकृत रूप से दर्शाने वाला ऐतिहासिक अवसर सिद्ध होगा |

12: मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से लघु उद्योग भारती प्रतिनिधिमंडल की शिष्टाचार भेंट

लघु उद्योग भारती के एक प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की।

1. प्रतिनिधिमंडल:-

- **श्री प्रकाश चंद्र,** अखिल भारतीय संगठन मंत्री
- **श्री घनश्याम ओझा,** राष्ट्रीय अध्यक्ष
- **श्री नरेश पारीक,** राष्ट्रीय सचिव
- **श्री शांतिलाल बालर** – अध्यक्ष, राजस्थान
- **श्री नटवरलाल अजमेरा,** उपाध्यक्ष एवं संयोजक, स्टोनमार्ट
- **श्री अरुण जाजोदिया,** राज्य कोषाध्यक्ष
- **श्री महेन्द्र मिश्रा,** अध्यक्ष, जयपुर आंचल
- **श्री सुधीर गुप्ता,** निवर्तमान अध्यक्ष जयपुर आंचल
- **श्री महावीर चोपड़ा**- अध्यक्ष जोधपुर आंचल
- **श्री सुरेश विश्नोई** – संयुक्त मंत्री, जोधपुर आंचल

2. प्रमुख बैठकें एवं भागीदारी:-

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने आगामी इंडिया स्टोनमार्ट–2026 से जुड़ी तैयारियों, उद्योगों से संबंधित नीतिगत विषयों और क्षेत्रीय समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उद्योगों की आवश्यकताओं एवं सुझावों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित समाधान सुनिश्चित करेगी। उन्होंने स्टोनमार्ट जैसे वैश्विक आयोजन में राज्य सरकार की सक्रिय भूमिका और समर्थन का भरोसा भी दिलाया।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आयोजन में उनकी भागीदारी का आमंत्रण भी दिया।

3. निष्कर्ष

इंडिया स्टोनमार्ट-2026 की तैयारियां राज्य सरकार, धार्मिक संस्थाओं और उद्योग जगत के सहयोग से अच्छी तरह से चल रही हैं।लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की।

- लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की।
- चर्चा में आयोजन की तैयारियों और उद्योगों से जुड़ी समस्याओं पर बात हुई।
- मुख्यमंत्री ने उद्योगों की ज़रूरतों को पूरा करने और स्टोनमार्ट को समर्थन देने का आश्वासन दिया।
- प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आयोजन में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

13: स्टोनमार्ट–2026 में सहभागिता हेतु केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को आमंत्रण

लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधियों ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। यह मुलाकात इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के संदर्भ में हुई |

1. प्रतिनिधिमंडल:-

- **श्री प्रकाश चंद्र,** अखिल भारतीय संगठन मंत्री
- **श्री ओमप्रकाश गुप्ता,** राष्ट्रीय महामंत्री
- **श्री नरेश पारीक,** राष्ट्रीय सचिव
- **श्री महेश गुप्ता,** राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष

2. प्रमुख बैठकें एवं भागीदारी:-

भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आगामी इंडिया स्टोनमार्ट–2026 के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की और इंडिया एक्सपो मार्ट–2026 से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों की जानकारी दी। मंत्री महोदया को इंडिया स्टोनमार्ट–2026 में आमंत्रित किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने अवगत कराया कि यह आयोजन न केवल पत्थर उद्योग की वैश्विक पहचान को सशक्त करेगा, बल्कि इससे जुड़ी आर्थिक संभावनाओं और रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। श्रीमती सीतारमण ने प्रतिनिधिमंडल से सकारात्मक संवाद किया और कार्यक्रम में सम्मिलित होने पर विचार करने का आश्वासन दिया|

14: इंडिया स्टोनमार्ट-राज्य स्तरीय संगोष्ठी-1

(उद्योग, खनन, वन एवं पर्यावरण विभाग), जॉइंट ग्रुप की स्थापना की घोषणा, पत्थर उद्योग के लिए GST की कमी की पहल)

दिनांक: 9 जुलाई 2025
स्थान: कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, जयपुर
आयोजक: लघु उद्योग भारती – राजस्थान

इंडिया स्टोनमार्ट–2026 की तैयारियों के अंतर्गत, लघु उद्योग भारती राजस्थान द्वारा "पर्यावरण, उद्योग एवं खनन" विषय पर एक भव्य राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन संविधान क्लब, विधानसभा मार्ग, जयपुर में किया गया।
कार्यक्रम का उद्देश्य राजस्थान में औद्योगिक एवं खनिज क्षेत्र के समावेशी विकास के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन को बढ़ावा देना था।
इस कार्यक्रम के मुख्य एवं विशेष अतिथि माननीय **श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, मंत्री**, उद्योग एवं वाणिज्य, राजस्थान सरकार माननीय **श्री के. के. विश्नोई, राज्य मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग**, राजस्थान सरकार थे।
कार्यक्रम में नीति-निर्माताओं, वरिष्ठ अधिकारियों, औद्योगिक संगठन, विषय विशेषज्ञों एवं उद्यमियों ने सक्रिय भागीदारी की।
माननीय मंत्री श्री राठौड़ ने घोषणा की कि राज्य सरकार उद्योग, खान, कौशल विकास विभाग एवं लघु उद्योग भारती जैसे प्रमुख संगठनों के समन्वय से एक संयुक्त कार्य समूह गठित करेगी, जो औद्योगिक समस्याओं के समाधान हेतु सशक्त सुझाव मुख्यमंत्री को प्रस्तुत करेगा।
श्री राठौड़ ने यह भी कहा कि सरकार तकनीकी नवाचार, विपणन, प्रतिस्पर्धा, कौशल विकास एवं गुणवत्ता उन्नयन पर विशेष बल दे रही है। खनिज संसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग को भी नई दिशा दी जा रही है।
माननीय राज्य मंत्री श्री के. के. विश्नोई ने जानकारी दी कि GST काउंसिल में प्राकृतिक पत्थरों पर कर दर को 18% से बढ़ाकर 28% करने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे राज्य सरकार के प्रयासों से रोका गया। साथ ही, उन्होंने मौजूदा GST दरों में और कमी की मांग भी रखी।

1. राज्य स्तरीय संगोष्ठी में प्रति भागी

मंत्रीगण:

- श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ – माननीय मंत्री, उद्योग एवं खेल विभाग
- श्री के. के. विश्नोई – माननीय राज्य मंत्री, उद्योग विभाग

उद्योग विभाग:

- श्री रोहित गुप्ता – आयुक्त, उद्योग विभाग

लघु उद्योग भारती:

1. श्री घनश्याम ओझा – राष्ट्रीय अध्यक्ष
2. श्री नरेश पारीक – राष्ट्रीय सचिव
3. श्री योगेंद्र शर्मा – प्रदेश अध्यक्ष
4. श्री सुधीर कुमार गर्ग – प्रदेश महामंत्री
5. श्री नरवरलाल अजमेरा – उपाध्यक्ष एवं संयोजक, स्टोनमार्ट 2026
6. श्री मुकेश अग्रवाल – प्रदेश उपाध्यक्ष
7. श्रीमती अंजू सिंह – प्रदेश उपाध्यक्ष

8. श्री महेंद्र मिश्र – अध्यक्ष, जयपुर अंचल
9. श्री शांतिलाल बालड़ – निवर्तमान अध्यक्ष
10. श्री योगेश गौतम – पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
11. श्री दीपक अजमेरा, सदस्य

वन विभाग:

- श्री सुशांत शर्मा – उपवन संरक्षक (DCF), एफसीए, मुख्यालय, जयपुर

पर्यावरण विभाग:

- श्री विष्णु दत्त पुरोहित – चीफ एनवायर्नमेंटल इंजीनियर, RSPCB, जयपुर
- श्री विजय शर्मा – सीनियर एनवायर्नमेंटल इंजीनियर

खनन विभाग:

- श्री दीपक तंवर – डायरेक्टर, खान विभाग
- श्री अशोक जैन – अतिरिक्त निदेशक, भू-विज्ञान विभाग
- श्री प्रताप मीणा – वरिष्ठ खान अभियंता

SIEAA (राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण):

- श्री एस. पी. सिंह – सदस्य सचिव

CDOS (Centre for Development of Stones):

- श्री राकेश गुप्ता – उपाध्यक्ष
- श्री मुकुल रस्तोगी – मुख्य कार्यकारी अधिकारी
- श्री विवेक जैन – वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक

अन्य प्रतिभागी:

- श्री ईश्वेंद्र सिंह : चेयरमैन फ़िग्सी स्किल डेवलपमेंट सेंटर
- श्री मदन लाल जांगिड : चेयरमैन, स्टोना
- श्री सुधीर जैन : अध्यक्ष, किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन
- श्री जितेंद्र पुरोहित : सिरोही इकाई अध्यक्ष, LUB
- श्री उमेश गोयल : अध्यक्ष, किशनगढ़ इकाई, LUB
- श्री राजू चौधरी : अध्यक्ष, जालौर ग्रेनाइट एसोसिएशन
- श्री भवानी सिंह धंधिया : अध्यक्ष, राजस्थान ग्रेनाइट माइनिंग एसोसिएशन
- श्री कैलाश मेडतिया : मुख्य संरक्षक, राजस्थान ग्रेनाइट माइनिंग एसोसिएशन
- श्री रामनिवास बापोरिया : प्रदेश उपाध्यक्ष
- श्री बजरंगलाल जांगिड़ : महासचिव, जालौर माइनिंग एसोसिएशन
- श्री राजकुमार चौधरी : पाली ग्रेनाइट एसोसिएशन
- श्री तगाराम : अध्यक्ष, सिरोही ग्रेनाइट एसोसिएशन

2. संगोष्ठी का उद्देश्य

इस राज्य स्तरीय संगोष्ठी का उद्देश्य उद्योग, खनन, वन और पर्यावरण विभागों से संबंधित व्यावहारिक जटिलताओं पर संवाद स्थापित करना एवं उनके समाधान के लिए साझा मंच पर विचार करना था। यह पहली बार था जब इन चारों विभागों से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी, नीति निर्माता और उद्यमी एक ही मंच पर एकत्र हुए।

3. विषयगत चर्चाएँ और तकनीकी पहल

संगोष्ठी के दौरान खनन, पर्यावरण और वन विभागों से संबंधित कई तकनीकी एवं नीतिगत विषयों पर गहन विचार किया गया। इनमें शामिल थे:

- पर्यावरण स्वीकृति (Environmental Clearance)
- वन अनापत्ति प्रमाणपत्र (Forest Clearance)
- खनन पट्टों का सीमांकन (Demarcation of Mining Leases)
- वॉल्यूमेट्रिक असेसमेंट

उद्यमियों द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर समाधान हेतु तत्काल संवाद एवं समन्वय की आवश्यकता जताई गई। यह संवाद नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के बीच व्यावहारिक समस्याओं के समाधान हेतु एक सार्थक शुरुआत रही।

4. संगोष्ठी के दौरान इंडिया स्टोनमार्ट 2026

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के संयोजक श्री नरवरलाल अजमेरा ने बताया कि इस बार प्रदर्शनी स्थल को 19000 वर्ग मीटर से बढ़ाकर 24000 वर्ग मीटर किया गया है ताकि अधिक से अधिक कंपनियों को भाग लेने का अवसर मिले। जुलाई की शुरुआत तक ही 55% से अधिक बुकिंग हो चुकी है, जो उत्साहवर्धक है।

5. संगठनात्मक नेतृत्व एवं सहयोग

श्री रोहित गुप्ता, आयुक्त उद्योग विभाग ने राजस्थान को औद्योगिक गतिशीलता देने हेतु मार्गदर्शन दिया और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

श्री नरेश पारीक ने कहा कि विशेष रूप से प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, माननीय उद्योग मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और राज्य मंत्री श्री के. के. विश्नोई का आभार प्रकट किया, जिनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से यह संवाद संभव हो सका।

उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, संयोजक श्री नरवरलाल अजमेरा और पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री योगेश गौतम का अभिनंदन किया, जिनकी ऊर्जा और नेतृत्व से इंडिया स्टोनमार्ट 2026 की दिशा में संगठन निरंतर कार्य कर रहा है।

इस संगोष्ठी का संचालन जयपुर अंचल अध्यक्ष श्री महेंद्र मिश्र एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़ ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश अध्यक्ष श्री योगेंद्र शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। मंच संचालन श्री योगेश गौतम एवं श्रीमती अंजू सिंह द्वारा किया गया।

6. संक्षेप

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने संगोष्ठी में मंत्रियों एवं राज्य सरकार का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि इस संवाद का उद्देश्य "पर्यावरणीय संतुलन, औद्योगिक विकास और सतत संवाद" को बढ़ावा देना है।

उन्होंने यह भी कहा कि इंडिया स्टोनमार्ट 2026 को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के उद्देश्य से जो बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं, वे राजस्थान को औद्योगिक नवाचार, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बनाएंगे।

15: प्राकृतिक पत्थर पर जीएसटी दर में कमी हेतु लघु उद्योग भारती प्रतिनिधिमंडल की ऐतिहासिक पहल

(श्री नरेश पारीक के नेतृत्व में उच्चस्तरीय नीति संवाद)

प्राकृतिक पत्थर उद्योग के हित में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, **लघु उद्योग भारती** के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने **श्री नरेश पारीक** एवं **श्री नटवरलाल अजमेरा** संयोजक, इंडिया स्टोनमार्ट के सानिध्य में के नेतृत्व में 23 जुलाई **2025** को **राजस्थान सरकार के माननीय उद्योग मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़** से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने संगमरमर सहित सभी प्राकृतिक पत्थरों पर **वर्तमान 18% जीएसटी दर को घटाकर 5%** किए जाने की पुरज़ोर मांग की। माननीय **मंत्री श्री राठौड़** ने इस विषय की गंभीरता को समझते हुए इस मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया और तुरंत सक्रिय पहल करते हुए **केंद्रीय वित्त मंत्री से मुलाकात का समय निर्धारित कराया।**

इसके पश्चात, **24 जुलाई 2025** को **एलयूबी प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री श्री भागीरथ चौधरी,** राज्य मंत्री (MoS).,कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, के नेतृत्व में **केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण** से भेंट की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राजस्थान से **श्री नरेश पारीक** ने किया। इस प्रतिनिधि मंडल में, **श्री मुकेश अग्रवाल, श्री राकेश गुप्ता, श्री भगवान दास अग्रवाल, श्री रामनिवास बापोरिया, श्री हेमेन्द्र भंडारी, श्री मनोहर तोषनीवाल, श्री नाथू लाल मालू, श्री पुनीत सोनी, श्री कपिल सुराना, श्री तरुण अग्रवाल** सम्मिलित थे। बैठक में प्राकृतिक पत्थरों पर जीएसटी दर को तार्किक रूप से युक्तिसंगत बनाने हेतु विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बात को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि **इस विषय पर आगामी जीएसटी काउंसिल बैठक में विचार किया जाएगा।**

राजस्थान के पत्थर उद्योग के लिए स्वर्णिम उपलब्धि

लघु उद्योग भारती द्वारा **राज्य एवं केंद्र** दोनों स्तरों पर किए गए इन उच्चस्तरीय संवादों ने यह सिद्ध कर दिया है कि संगठन नीतिगत निर्णयों में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है। यह प्रयास न केवल **इंडिया स्टोनमार्ट 2026 की सफलता में सहायक सिद्ध होंगे**, बल्कि इससे जुड़ी समूची पत्थर उद्योग श्रृंखला – कारीगरों, उत्पादकों, निर्यातकों – को दूरगामी लाभ मिलेगा।

यह पहल **राजस्थान के पत्थर उद्योग के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखी जाएगी**, और लघु उद्योग भारती द्वारा निभाई गई यह निर्णायक भूमिका स्मरणीय रहेगी।

16: उद्योग, पर्यावरण और खनिज क्षेत्र में संवाद का नया मंच — इंडिया स्टोनमार्ट 2026 संगोष्ठी, उदयपुर

7 अगस्त **2025** को होटल लाभगढ़ पैलेस, उदयपुर में एक उच्चस्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उद्योग, वन एवं पर्यावरण तथा खान विभाग के साथ लघु उद्योग भारती, **CDOS** एवं **RIICO** के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य था – इंडिया स्टोनमार्ट **2026** की प्रगति की समीक्षा करना, नीति संवाद को सशक्त करना और उद्यमियों की समस्याओं का समाधान खोजना।
कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के साथ हुआ। इसके पश्चात् तीन विभागीय सत्रों में व्यापक संवाद हुआ।

लघु उद्योग भारती का दृष्टिकोण

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने MSME सेक्टर की ताकत बताते हुए कहा कि भारत की 35% GDP और 48% निर्यात इसी क्षेत्र से आता है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक नीति संवाद ही सभी समस्याओं का समाधान है।

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय सचिव श्री नरेश पारीक ने 'नीति, नीयत और नेता' की त्रयी पर बल देते हुए इंडिया स्टोनमार्ट को MSME क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय पहचान के रूप में स्थापित करने की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि लघु उद्योग भारती के लगभग 2200 सदस्य पत्थर उद्योग से जुड़े हैं, और इसी सामूहिक शक्ति के बल पर इंडिया स्टोनमार्ट को वैश्विक मंच में बदलने हेतु RIICO व CDOS के साथ MoU 14 जून 2024 को निष्पादित किया गया।

उन्होंने मेवाड़ की सांस्कृतिक पहचान को पत्थर उद्योग से जोड़ते हुए उदयपुर की विशेष भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने श्री प्रकाश गुप्ता जी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, लघु उद्योग भारती के नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा करते हुए यह भी बताया कि संगोष्ठी के दौरान ही 22 स्टॉल्स की बुकिंग उदयपुर से हुई।

अंतरराष्ट्रीय प्रचार में लघु उद्योग भारती की भूमिका

श्री नटवरलाल अजमेरा, संयोजक इंडिया स्टोनमार्ट 2026, लघु उद्योग भारती ने जानकारी दी कि प्रतिनिधिमंडल ने इटली के मारमोमैक स्टोन फेयर-2024 का दौरा किया और राज्य मंत्री श्री के.के. विश्नोई ने पहली बार राज्य के स्टॉलों का व्यक्तिगत दौरा कर विदेशी खरीदारों को आमंत्रित किया।

उन्होंने बताया कि अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, इटली जैसे देशों में इंडिया स्टोनमार्ट 2026 का प्रचार किया गया। चीन, ईरान, स्पेन, दक्षिण कोरिया, इथियोपिया से भागीदारी की पुष्टि प्राप्त हुई है। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल से भी भेंट कर स्टोनमार्ट में **EPM (Export Promotion Mission)** के लिए समर्थन का आश्वासन प्राप्त हुआ है।

राज्य सरकार द्वारा गठित 'संयुक्त कार्य समूह' **(Joint Working Group)** में लघु उद्योग भारती के 4 प्रतिनिधि शामिल होंगे। एक विश्वस्तरीय वेबसाइट, सोशल मीडिया रणनीति, और स्वामीनारायण संस्था (अक्षरधाम मंदिर) की भागीदारी जैसे प्रयासों से स्टोनमार्ट को वैश्विक बनाया जा रहा है।

विशेष सत्रों की संवादपूर्ण झलक

इस संगोष्ठी में तीन विशिष्ट सत्रों का आयोजन किया गया:

1. उद्योग सत्र (1:30 से 2:30 बजे):
- विषय प्रस्तुति: श्री कपिल सुराणा एवं श्री प्रतीक जैन
- अधिकारी वक्ता: श्री अंकित मोहन, श्री शैलेन्द्र शर्मा, श्री अनीश गोटवाला
- धन्यवाद ज्ञापन: श्री अर्जुन गुप्ता

2. वन, पर्यावरण एवं खनिज सत्र (2:30 से 4:00 बजे):
- विषय प्रस्तुति: श्री मांगीलाल बुलावत, श्री हेमंत कौशल, श्री योगेश गौतम
- अधिकारी वक्ता: श्री दीपक तँवर, श्री वेदांत कौशल, श्री विजय शर्मा
- धन्यवाद ज्ञापन: श्री योगेश गौतम

सभी सत्रों में अधिकारियों और उद्यमियों के बीच सीधा संवाद हुआ, जिसमें अनेक मुद्दों का समाधान भी सुझाया गया।

विशेष आभार उन सभी साथियों का जिनके अथक प्रयास से यह संगोष्ठी सफल हो पाई:

श्री योगेन्द्र शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष – लघु उद्योग भारती
श्रीमती अंजु सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष – लघु उद्योग भारती
श्री राकेश गुप्ता, उपाध्यक्ष – सीडोस (**CDOS**)
श्री मुकुल रस्तोगी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (**CEO**) – सीडोस (**CDOS**)
श्री विवेक जैन, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक (**Sr. DGM**) – सीडोस (**CDOS**)
श्री संजीव मोदी, सदस्य – **FIGSI** एवं लघु उद्योग भारती
श्री दीपक अजमेरा, सदस्य – **FIGSI** एवं लघु उद्योग भारती
श्री राजेन्द्र मानधाना जी, सदस्य – **FIGSI** एवं लघु उद्योग भारती

कार्यक्रम समन्वयक:

- श्री कपिल सुराना

सह-समन्वयक:

- श्री मुकेश सिन्हा

भोजन एवं कैटरिंग समिति:

- श्री बाबूसिंह राजपुरोहित
- श्री आदर्श जैन
- श्री बृजमोहन सिंह भाटी
- श्री पीयूष सुखवाल

मंच एवं हॉल प्रबंधन (बैठक व्यवस्था):

- श्री दीपक हरकावत
- श्री रविकांत शर्मा
- श्री आशीष मित्तल
- श्री धनैश जैन

अतिथि प्रबंधन (स्थान व्यवस्था):

- श्री सुसीम सिंघवी
- श्री विजय गोधा
- श्री कालित भंडारी
- श्री अनिल कटारिया
- श्री जगदीश जाजेतिया
- श्री प्रतीक हिंगड़
- श्री पवन कोठारी

मंच समन्वय (कार्यक्रम):

- श्री हरिओम पालीवाल
- श्री अभिमन्यु जी

पंजीयन एवं स्वागत:

- श्रीमती सीमा जी
- श्रीमती ऋषिका जी
- श्रीमती नीता जी
- श्रीमती कृति जी
- श्रीमती अंजलि जी

आप सभी का योगदान न केवल संगठनात्मक दृष्टि से प्रेरणास्पद है, बल्कि आपकी समर्पित सहभागिता इस आयोजन को अविस्मरणीय बनाती है।

समापन टिप्पणी

यह संगोष्ठी केवल संवाद नहीं, बल्कि एक नई नीति संस्कृति की शुरुआत थी। सरकार, उद्योग और समाज के त्रिदलीय सहभाग से इंडिया स्टोनमार्ट **2026** को राजस्थान के प्राकृतिक पत्थर उद्योग का वैश्विक ब्रांड बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाया गया।

निष्कर्ष: सभी सत्रों ने सरकार-उद्योग सहयोग की सशक्त मिसाल प्रस्तुत की और सुझाव आया कि ऐसी संगोष्ठियाँ अन्य जिलों में भी आयोजित हों। यह आयोजन राज्य की नीति-निष्ठा और नेतृत्व की दूरदृष्टि का परिचायक बन चुका है।

17: कोटा संगोष्ठी में पत्थर उद्योग के तीन स्तंभों पर मंथन : India Stonemart बनेगा वैश्विक उत्सव

कोटा, **29 अगस्त 2025**।
लघु उद्योग भारती (**LUB)** ने पत्थर उद्योग को सशक्त बनाने के अपने तीन मज़बूत स्तंभों पर कोटा में आयोजित स्टोनमार्ट संगोष्ठी–**3** में विस्तृत विमर्श किया।
ये तीन स्तंभ हैं – '**India Stonemart**' से वैश्विक व्यवसाय विस्तार, '**Global Stone Technology Forum (GSTF)**' से तकनीकी उन्नति, और '**Ease of Doing Business (EODB)**' से नीतिगत समाधान।

कार्यक्रम पुरुषार्थ भवन, कोटा में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में नीति-निर्माताओं, उद्योगपतियों और उद्यमियों ने भाग लिया। संगोष्ठी का संचालन मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम अनुसार हुआ, जिसकी शुरुआत पंजीकरण और दीप प्रज्वलन से लेकर तकनीकी प्रस्तुतियों और समापन राष्ट्रगान तक श्रृंखलाबद्ध रही।

विशेष उपस्थिति:
कर्नल श्री राज्यवर्धन सिंह जी, माननीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, राजस्थान सरकार
श्री मदन दिलावर जी, माननीय शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार
श्री प्रकाश चंद्र जी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, लघु उद्योग भारती

श्री प्रकाश चंद्र जी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, लघु उद्योग भारती का आह्वान

श्री प्रकाश चंद्र जी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, लघु उद्योग भारती ने उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रदर्शनी और मेलों में भागीदारी से व्यवसाय को नई दृष्टि और अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने बल दिया कि "हमें अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करना चाहिए, ताकि देश की अर्थव्यवस्था को बल मिले। **GDP** विकास का प्रमुख कारक है और आज हमारे जिले **GDP** वृद्धि के उत्प्रेरक (**Catalyst)** बन रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भारत की परंपरागत शिल्पकला और प्राकृतिक संसाधनों की ताकत हमें वैश्विक बाज़ार में अलग पहचान दिला सकती है। यदि हम संगठित होकर नई तकनीक और गुणवत्ता पर ध्यान देंगे तो भारत पत्थर उद्योग का वैश्विक नेतृत्व कर सकता है।

उद्योग मंत्री का संदेश

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल श्री राज्यवर्धन राठौड़ जी ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया—
- अब तक **1,000** करोड़ रुपये से अधिक अनुदान **RIPS** योजना के अंतर्गत उद्योगों को वितरित किए जा चुके हैं।
- विकसित एवं अविकसित दोनों प्रकार की औद्योगिक भूमि उपलब्ध करवाने के लिए नई **RIICO** नीति लागू की गई है।
- युवाओं को रोज़गार देने के लिए **Ease of Doing Business** को सरल और प्रभावी बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, "नीति से समाधान, तकनीक से प्रगति और व्यवसाय के लिए प्रोत्साहन—इन्हीं तीन स्तंभों पर पत्थर उद्योग का उज्ज्वल भविष्य निर्मित होगा।"

शिक्षा मंत्री का आह्वान

माननीय शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने घोषणा की कि राज्य के स्कूल भवन निर्माण में नेचरल स्टोन का प्राथमिकता से उपयोग किया जाएगा। उन्होंने उद्योगपतियों से भी आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में विद्यालय निर्माण में सहयोग करें, ताकि समाज और उद्योग दोनों का विकास सुनिश्चित हो।

इंडिया स्टोनमार्ट का इतिहास – श्री नरेश पारीक

श्री नरेश पारीक, राष्ट्रीय सचिव, **LUB** ने इंडिया स्टोनमार्ट के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह आयोजन मूल रूप से **Centre for Development of Stones (CDOS)** द्वारा शुरू किया गया था। पत्थर उद्योग में **MSME** की बड़ी भागीदारी और **LUB** के व्यापक नेटवर्क को देखते हुए इसे **LUB** के हाथों सह-आयोजक के रूप में सौंपा गया।

उन्होंने कहा, "इंडिया स्टोनमार्ट अब केवल एक प्रदर्शनी नहीं बल्कि पत्थर उद्योग की वैश्विक पहचान का मंच है। **LUB** की **961** शाखाओं और **50,000** से अधिक सदस्य उद्योगों के सहयोग से यह आयोजन नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर रहा है।"

स्टोनमार्ट गतिविधियाँ – श्री नटवरलाल अजमेरा

श्री नटवरलाल अजमेरा, संयोजक इंडिया स्टोनमार्ट 2026 ने कहा कि आगामी इंडिया स्टोनमार्ट 2026 अब तक का सबसे भव्य आयोजन होगा।

पिछले संस्करण में प्रदर्शनी का एरिया 19,000 sq mtr, था तथा 52 देशों से 19,000 से अधिक विज़िटर्स आए थे और इस बार 2026 के संस्करण में लोगों के रुझान को देखते हुए प्रदर्शनी के एरिया को बढाकर 25000 sq mtr किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि आयोजन में आर्किटेक्ट्स कॉन्फ्रेंस, शिल्पग्राम और रिवर्स बायर-सेलर मीट जैसे सत्र होंगे, जो उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई दिशा देंगे।

श्री अजमेरा ने विशेष रूप से श्री मुकुल रस्तोगी (सीईओ, सीडीओएस) और श्री विवेक जैन (एसआर. डीजीएम, सीडीओएस) की सराहना की, जो **LUB** टीम के साथ मिलकर इंडिया स्टोनमार्ट 2026 को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर सफल बनाने में अथक प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने **LUB** के पदाधिकारियों का भी आभार व्यक्त किया—

- श्री योगेंद्र शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, राजस्थान
- श्री ताराचंद जी गोयल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष – लघु उद्योग भारती (LUB)
- श्री महेश गुप्ता, सह कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, राजस्थान
- श्रीमती अंजू सिंह, उपाध्यक्ष लघु उद्योग भारती राजस्थान,
- श्री महेन्द्र कुमार खुराना, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती राजस्थान,
- श्री अरुण कुमार जाजोदिया, कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, राजस्थान
- श्री सुरेश कुमार विश्नोई, संयुक्त महामंत्री, लघु उद्योग भारती, राजस्थान
- श्री योगेश गौतम, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती
- श्री सुधीर कुमार गर्ग, प्रदेश महामंत्री – लघु उद्योग भारती
- श्री पुखराज जैन, अंचल उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, राजस्थान
- श्री कीर्ति जैन जी, संपादक – उद्योग टाइम्स
- श्री यशपाल भाटिया जी, प्रांत उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती राजस्थान
- श्री अंकुर गुप्ता जी, अध्यक्ष – कोटा इकाई, लघु उद्योग भारती, राजस्थान
- श्री अचल पोद्दार जी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य – लघु उद्योग भारती, राजस्थान
- श्रीमती चांदनी पोद्दार, अध्यक्ष – महिला इकाई, कोटा लघु उद्योग भारती, राजस्थान
- श्री संजय शर्मा, अध्यक्ष – कोटा नॉर्थ, लघु उद्योग भारती, राजस्थान
- श्री मनोज अग्रवाल, अध्यक्ष – कोटा रानपुर इकाई, लघु उद्योग भारती, राजस्थान
- श्री गोविंद राम मित्तल, माननीय सदस्य – लघु उद्योग भारती, राजस्थान

जिनका निस्वार्थ योगदान इस आयोजन को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण है।

विशिष्ट वक्ताओं के विचार

- श्री गोविन्द राम मित्तल, लघु उद्योग भारती ने उद्योग जगत की चुनौतियों को रेखांकित करते हुए कहा कि पत्थर उद्योग के विस्तार में अभी भी कई बाधाएँ हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि क्षेत्रांतरण (**Transfer Area),** लीज अधिकार (**Lease Rights)** और **RIICO** इकाई प्रमुखों को सीमित अधिकार जैसी समस्याएँ उद्योग विकास में अड़चन बन रही हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि "**RIPS** योजना का वास्तविक क्रियान्वयन (**Real Implementation of RIPS)** ज़मीनी स्तर पर कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिन्हें दूर करना आवश्यक है।"

- श्री पी.एन. शर्मा, संयुक्त आयुक्त – उद्योग एवं वाणिज्य, राजस्थान सरकार ने राज्य सरकार की ओर से उद्योगों के लिए लाई गई योजनाओं और नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि **RIPS, REPC** और **MSME** योजनाओं का सही उपयोग उद्यमियों को निवेश और प्रोत्साहन प्रदान कर सकता है।

NABCONS की विशेष प्रस्तुति : **MSME, RIPS, REPC** और **ODOP**
संगोष्ठी के एक प्रमुख सत्र में **NABCONS (NABARD Consultancy Services)** के विशेषज्ञों ने **MSME, RIPS, REPC** एवं **ODOP** पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

- **MSME:** छोटे और मझोले उद्यमों को वित्तीय सहायता, आसान ऋण और कौशल विकास योजनाओं की जानकारी दी गई।

- **RIPS: SGST** रीइम्बर्समेंट, निवेश सब्सिडी, ब्याज सब्सिडी और स्टाम्प ड्यूटी में रियायतें जैसे लाभ उद्योगों को निवेश प्रोत्साहन के लिए उपलब्ध हैं।

- **REPC:** यह परिषद पत्थर सहित राज्य के अन्य उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाने और ब्रांड राजस्थान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने का मंच है।

- **ODOP:** प्रत्येक ज़िले के विशेष उत्पाद—जैसे कोटा स्टोन, मकराना मार्बल, उदयपुर ग्रेनाइट, जालोर ग्रेनाइट—को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार से जोड़ने पर बल दिया गया।

18: Marmomac 2025, इटली में India Stonemart 2026

Marmomac 2025, इटली में India Stonemart 2026 को मिला वैश्विक प्रोत्साहन
राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल की अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ बैठकें सफल, कई देशों ने भागीदारी की पुष्टि

"India Stonemart 2026" को मिली नई वैश्विक पहचान

विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक पत्थर मेले Marmomac 2025 में India Stonemart 2026 के प्रचार हेतु राजस्थान सरकार का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल अत्यंत प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत हुआ।

नेतृत्व और भागीदारी

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया, जिन्होंने Marmomac प्रदर्शनी में India Stonemart 2026 स्टॉल का भव्य उद्घाटन किया। साथ ही श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार (IAS, MD-RIICO), श्री मुकुल रस्तोगी (CEO, CDOS), श्री नरेश पारीक, राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव, लघु उद्योग भारती, श्री नटवरलाल अजमेरा, संयोजक, इंडिया स्टोनमार्ट 2026, श्री अरुण जाजोदिया, कोषाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, राजस्थान, श्री पुखराज जैन, अचंल उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, राजस्थान, श्री राकेश गुप्ता, वाईस चेयरमैन, CDOS सहित वरिष्ठ उद्यमी भी साथ रहे।

उद्घाटन में उपस्थित अन्य गणमान्य

श्री विकास पाटनी जी, R K मार्बल ग्रुप
श्री विनित पाटनी जी, R K मार्बल ग्रुप
श्री कमल सोगानी, R K मार्बल ग्रुप
श्री कृष्णा प्रसाद, अध्यक्ष FIGSI
श्री सुन्दर सोमानी जी, उपाध्यक्ष FIGSI
श्री मनोज सिंह जी, महासचिव FIGSI
श्री प्रमोद भंडारी जी, कोषाध्यक्ष, FIGSI
श्री ईसविन्दर सिंह, स्किल चेयरमैन, FIGSI

भारत की अभूतपूर्व भागीदारी

Marmomac 2025 में भारत की 55 से अधिक अग्रणी कंपनियों ने भाग लिया — यह भारतीय पत्थर उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है।

वैश्विक बैठकें एवं सहमति

प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न देशों की शीर्ष संगठनों एवं क्षेत्रीय संघों से संवाद किया। इन संस्थाओं ने India Stonemart 2026 में सहभागिता की पुष्टि की है:

- ANIET – Portugal
- Enterprise Greece – Greece
- Region Central Greece – Greece
- Assimagra – Portugal
- CentroRochas – Brazil
- Cluster Piedra – Spain
- Castilla Y León Association – Spain
- Murcia & Alicante Region – Spain
- Oman Stone Association – Oman

India Stonemart की वैश्विक प्रतिष्ठा

CDOS, जो RIICO और राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में कार्यरत है, भारत में आयामी पत्थर उद्योग को सुदृढ़ कर रहा है। India Stonemart 2026 का आयोजन 5–8 फरवरी 2026 को JECC, जयपुर में होगा।

निष्कर्ष

Marmomac 2025 में भारतीय उपस्थिति ने India Stonemart 2026 की ब्रांड छवि को मजबूत किया है, जिससे वैश्विक सहयोग और व्यापारिक अवसरों के लिए नए मार्ग प्रशस्त होंगे।

19: उद्योगों के लिए नया अध्याय: संयुक्त कार्यदल का गठन

राजस्थान में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। माननीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ द्वारा 9 जुलाई को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित संगोष्ठी में किए गए वायदे के अनुरूप राज्य सरकार ने अब औपचारिक आदेश जारी करते हुए संयुक्त कार्यदल (Joint Working Group) का गठन कर दिया है। जिसमे लघु उद्योग भारती की तरफ से श्री नरेश पारीक, राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव, लघु उद्योग भारती, श्री महेंद्र खुराना, प्रदेश उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, श्री शांति लाल बालड़, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लघु उद्योग भारती, श्री मुकेश अग्रवाल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, लघु उद्योग भारती होंगे ।

कार्यदल की संरचना और दायित्व

इस कार्यदल में विभिन्न विभागों और औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है।

- *RIICO* के कार्यकारी निदेशक को अध्यक्ष बनाया गया है, जो भूमि आवंटन और औद्योगिक क्षेत्रों के अवसंरचना विकास पर काम करेंगे।
- *BIP* के अतिरिक्त आयुक्त निवेश प्रोत्साहन और *MoU* की ज़मीनी क्रियान्विति सुनिश्चित करेंगे।
- राजस्थान वित्त निगम के प्रतिनिधि वित्तीय चुनौतियों और ऋण तक पहुँच को आसान बनाने पर ध्यान देंगे।
- खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड परंपरागत कुटीर उद्योगों के एकीकरण में सहयोग करेगा।
- *RAJSICO* निर्यात संवर्धन और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुँच बढ़ाने का कार्य करेगा।
- लघु उद्योग भारती के चार प्रतिनिधि छोटे-बड़े उद्योगों से प्रत्यक्ष रूप से चुनौतियाँ संकलित कर समूह के समक्ष समाधान सहित प्रस्तुत करेंगे।
- उद्योग विभाग के संयुक्त आयुक्त कार्यदल के सदस्य सचिव के रूप में सरकारी योजनाओं के सरलीकरण पर कार्य करेंगे।

यह कार्यदल प्रत्येक माह के भीतर उद्योग जगत की चुनौतियों का अध्ययन कर अपनी सिफारिशें राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगा। इसका कार्यालय उदयोग भवन, जयपुर में होगा।

भविष्य की संभावनाएँ

- निवेश आकर्षण: सुव्यवस्थित भूमि और सरल प्रक्रियाओं से निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा।
- ग्रामीण उद्योगों का उत्थान: खादी और कुटीर उद्योगों के एकीकरण से परंपरागत कला और कौशल को नया बाजार मिलेगा।
- निर्यात वृद्धि: *RAJSICO* की सक्रिय भूमिका राजस्थान को वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी।
- वित्तीय सहयोग: उद्योगों के लिए ऋण और पूंजी तक पहुँच आसान होगी।

निष्कर्ष

यह कार्यदल केवल एक प्रशासनिक घोषणा नहीं बल्कि उद्योग जगत को दिया गया ठोस भरोसा है। माननीय मंत्री की पहल और सरकार की प्रतिबद्धता यह दर्शाती है कि राजस्थान अब केवल संसाधन सम्पन्न राज्य ही नहीं बल्कि उद्योगों के लिए सर्वश्रेष्ठ गंतव्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

20: स्वदेशी को समर्पित: वैश्विक संदर्भ में लघु उद्योग भारती की पहल

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आत्मनिर्भर भारत को भारत की आर्थिक और रणनीतिक नीति का मूल मंत्र घोषित किया है। "वोकल फॉर लोकल", "मेक इन इंडिया" और "स्वदेशी अपनाओ, देश को आगे बढ़ाओ" जैसे अभियान केवल नारे नहीं बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक मजबूती के स्तंभ हैं।
इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हुए लघु उद्योग भारती, जो भारत की अग्रणी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) की संस्था है, केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों को पत्र लिखकर यह मांग की है कि केंद्र सरकार की सभी निर्माण परियोजनाओं, भवनों, रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों, शहरी विकास योजनाओं और पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में स्वदेशी उत्पादों — विशेषकर प्राकृतिक पत्थरों, खनिजों और निर्माण सामग्री — का अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

पत्रों का उद्देश्य

लघु उद्योग भारती द्वारा भेजे गए पत्रों में निम्नलिखित बिंदुओं को विशेष रूप से रेखांकित किया गया:

- केंद्र सरकार की निर्माण परियोजनाओं में विदेशी पत्थरों की बजाय भारत में उत्पादित पत्थरों एवं खनिजों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए।
- सरकारी निविदाओं (Tenders) और सार्वजनिक खरीद नीतियों में "मेड इन इंडिया" उत्पादों को प्राथमिकता मिले।
- भारत के खनन, निर्माण, पत्थर और MSME क्षेत्र में प्रत्यक्ष आर्थिक सहयोग को प्रोत्साहन मिले, जिससे लाखों कारीगरों, श्रमिकों और स्थानीय उद्यमियों को रोजगार प्राप्त हो।
- विदेशी आयात पर निर्भरता को कम कर देश की मुद्रा बचाई जा सके।
- रेलवे, शहरी विकास, नागरिक उड्डयन, ऊर्जा और हाउसिंग मंत्रालयों के निर्माण कार्यों में भारतीय उत्पादों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य

1. श्री अश्विनी वैष्णव – माननीय रेल, सूचना-प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री
2. श्री पीयूष गोयल – माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री
3. श्री मनोहर लाल खट्टर – माननीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री
4. श्री किन्जाराप्पु राममोहन नायडू – माननीय नागरिक उड्डयन मंत्री

सभी पत्रों में इस बात को रेखांकित किया गया कि जब भारत में विश्व-स्तरीय गुणवत्ता के पत्थर, खनिज और भवन निर्माण सामग्री उपलब्ध हैं, तो विदेशी उत्पादों को आयात करने का औचित्य नहीं बनता।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य

अमेरिकी संकट का उदाहरण:
2018-2020 के दौरान अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आने वाले कई उत्पादों पर शुल्क (Tariff) बढ़ा दिया और भारत को दिए गए GSP (Generalized System of Preferences) दर्जे को समाप्त कर दिया। इससे भारतीय MSME निर्यातकों को भारी नुकसान हुआ और कई क्षेत्रों में निर्यात लगभग ठप हो गया। यह उदाहरण बताता है कि जब भारत की अर्थव्यवस्था दूसरों पर निर्भर करती है, तो वह वैश्विक नीतियों का शिकार बन सकती है। इसलिए "स्वदेशी" और "स्थानीयकरण" केवल एक विचार नहीं, बल्कि रणनीतिक आर्थिक नीति है।

अन्य देशों के उदाहरण:
- चीन: "मेड इन चाइना" नीति के तहत सरकारी परियोजनाओं में 90% तक चीनी उत्पादों को प्राथमिकता।
- अमेरिका: "Buy American Act" के तहत सरकारी खरीद में अमेरिकी कंपनियों को वरीयता।
- जर्मनी: "Made in Germany" प्रमाणित उत्पादों को प्राथमिकता।
- जापान: सरकारी खरीद में 'लोकल सोर्सिंग' को नैतिक और कानूनी बाध्यता।

इस चुनौती का समाधान खोजने हेतु **लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि श्री नरेश पारीक, संयुक्त महामंत्री – लघु उद्योग भारती, श्री नटवर लाल अजमेरा, संयोजक – इंडिया स्टोनमार्ट 2026 तथा श्री योगेश गौतम, पूर्व कोषाध्यक्ष – लघु उद्योग भारती ने 9 सितम्बर 2025 को माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल जी से भेंट की और दो महत्वपूर्ण ज्ञापन प्रस्तुत किए।**
इन पत्रों में यह अनुरोध किया गया कि:

1. **भारतीय दूतावासों के माध्यम से विदेशी खरीदारों को इंडिया स्टोनमार्ट 2026 में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया जाए**, ताकि अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम किया जा सके और भारत को नए बाजारों में अवसर मिले।
2. **विदेशी दूतावासों को भी परामर्श जारी किया जाए** कि वे अपने देशों के प्रमुख पत्थर खरीदारों और उद्योग प्रतिनिधियों को इस अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

हस्ताक्षरकर्ता एवं नेतृत्व

यह पत्र लघु उद्योग भारती के निम्न वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा हस्ताक्षरित किया गया:
- श्री घनश्याम ओझा – राष्ट्रीय अध्यक्ष
- श्री नरेश पारीक – राष्ट्रीय सचिव
- श्री योगेंद्र शर्मा – प्रदेश अध्यक्ष (राजस्थान)
- श्री सुधीर कुमार गर्ग – प्रदेश महामंत्री
- श्री नटवरलाल अजमेरा – उपाध्यक्ष एवं संयोजक, स्टोनमार्ट 2026

निष्कर्ष

लघु उद्योग भारती की यह पहल एक रणनीतिक हस्तक्षेप है, जो भारत के पारंपरिक उद्योगों को संरक्षण, स्थानीय श्रमिकों को रोजगार और विदेशी निर्भरता से मुक्ति प्रदान करता है। यह केवल पत्थर और निर्माण उद्योग तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे "आत्मनिर्भर भारत" अभियान का मॉडल बन सकता है, जहां नीति, राष्ट्रवाद और आर्थिक विवेक मिलकर देश को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाते हैं।

21: इंडिया स्टोनमार्ट 2026 की तैयारियों की ऐतिहासिक प्रगति पर विस्तृत मंथन

जयपुर | 21 अक्टूबर 2025
इंडिया स्टोनमार्ट 2026 की तैयारियों को लेकर आज एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO) की प्रबंध निदेशक महोदया की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में आयोजन से जुड़ी प्रगति, अंतरराष्ट्रीय भागीदारी, बुकिंग स्थिति तथा आगामी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई।

उद्योग और आयोजन से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधियों की सहभागिता

बैठक में **लघु उद्योग भारती (LUB)** एवं **सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS)** के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की।
लघु उद्योग भारती (LUB) की ओर से

- श्री नरेश पारीक, राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव
- श्री नटवर लाल अजमेरा, संयोजक, इंडिया स्टोनमार्ट 2026
- श्री योगेश गौतम, पूर्व कोषाध्यक्ष
- श्री महेंद्र खुराना, उपाध्यक्ष
- श्रीमती अंजू सिंह, राष्ट्रीय सचिव

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS) की ओर से

- श्री दीपक अजमेरा, उपाध्यक्ष
- श्री राजेश मित्तल, गवर्निंग बोर्ड सदस्य
- श्री ललित आहूजा, गवर्निंग बोर्ड सदस्य
- श्री मुकुल रस्तोगी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO)
- श्री विवेक जैन, अतिरिक्त महाप्रबंधक
- श्री प्रकाश पोखरना, परामर्शदाता

CDOS द्वारा प्रगति पर प्रस्तुति

बैठक में CDOS द्वारा अब तक की तैयारियों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। इसमें बताया गया कि:

- **18,000 वर्गमीटर प्रदर्शनी क्षेत्र की बुकिंग पूर्ण** हो चुकी है
- यह आंकड़ा **इंडिया स्टोनमार्ट के इतिहास में अब तक का सबसे तेज़ और रिकॉर्ड बुकिंग चरण** है
- **नवंबर से पूर्व** ही कुल प्रदर्शनी क्षेत्र का इतना बड़ा हिस्सा बुक होना, आयोजन की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता और उद्योग के भरोसे को दर्शाता है

यह भी रेखांकित किया गया कि इंडिया स्टोनमार्ट 2026 न केवल आकार में बड़ा होगा, बल्कि **गुणवत्ता, तकनीक, अंतरराष्ट्रीय भागीदारी और व्यापारिक अवसरों** के दृष्टिकोण से भी एक नया मानक स्थापित करेगा।

बैठक के दौरान निम्न प्रमुख बिंदुओं पर विशेष जोर दिया गया:

- अंतरराष्ट्रीय पवेलियनों की सहभागिता को और सुदृढ़ करना
- वैश्विक खरीदारों एवं तकनीकी प्रतिनिधियों की भागीदारी बढ़ाना
- आयोजन के समग्र अनुभव को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप बनाना
- राज्य की स्टोन इंडस्ट्री की ताकत और निवेश संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करना

सरकारी मार्गदर्शन और संस्थागत समन्वय

प्रबंध निदेशक, RIICO द्वारा आयोजन की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए सभी संबंधित संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने तथा समयबद्ध निर्णयों पर बल दिया गया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंडिया स्टोनमार्ट 2026 को **राजस्थान सरकार के प्रमुख औद्योगिक आयोजनों** में एक सशक्त पहचान दिलाने के लिए सभी स्तरों पर आवश्यक सहयोग दिया जाएगा।

22: इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के लिए केंद्रीय मंत्रियों को औपचारिक आमंत्रण नई दिल्ली में लघु उद्योग भारती प्रतिनिधिमंडल की महत्वपूर्ण पहल

नई दिल्ली | 9 दिसंबर 2025

जयपुर में आगामी **5 से 8 फरवरी 2026** तक आयोजित होने वाले **इंडिया स्टोनमार्ट 2026** के लिए आज नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण औपचारिक पहल की गई। इस अवसर पर **लघु उद्योग भारती** के प्रतिनिधिमंडल द्वारा देश के वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रण पत्र भेंट किए गए।

प्रतिनिधिमंडल ने माननीय **लोकसभा अध्यक्ष**, **केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री**, **केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री**, **केंद्रीय विदेश मंत्री**, **केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री** तथा **केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री** को इंडिया स्टोनमार्ट 2026 में सहभागिता हेतु आमंत्रित किया।

यह पहल न केवल आयोजन की राष्ट्रीय महत्ता को रेखांकित करती है, बल्कि भारत के प्राकृतिक पत्थर उद्योग को वैश्विक मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख पदाधिकारी

इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री प्रकाश चंद जी, राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव, श्री नरेश पारीक तथा इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के संयोजक एवं लघु उद्योग भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री नटवर अजमेरा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन को सशक्त समर्थन

केंद्रीय मंत्रियों को आमंत्रित करने की यह पहल इस बात का संकेत है कि **इंडिया स्टोनमार्ट 2026** केवल एक व्यापारिक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि **भारत के स्टोन सेक्टर, निर्यात क्षमता, तकनीकी नवाचार और निवेश संभावनाओं** को प्रदर्शित करने वाला एक राष्ट्रीय स्तर का मंच है।
आयोजकों के अनुसार, इस प्रकार के उच्च स्तरीय आमंत्रण से आयोजन को नीतिगत समर्थन, अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता और उद्योग जगत में व्यापक स्वीकार्यता मिलने की अपेक्षा है।

इंडिया स्टोनमार्ट 2026, राजस्थान की समृद्ध खनिज विरासत, आधुनिक प्रोसेसिंग क्षमताओं और कुशल मानव संसाधन को वैश्विक निवेशकों एवं खरीदारों के समक्ष प्रस्तुत करने का एक प्रभावी माध्यम बनेगा। केंद्रीय नेतृत्व की उपस्थिति आयोजन की गरिमा और प्रभाव को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

23: इंडिया स्टोन मार्ट 2026 को लेकर मकराना–किशनगढ़ में व्यापारी संवाद मार्बल उद्योग को नए अवसरों से जोड़ने पर केंद्रित महत्वपूर्ण बैठक

27 दिसंबर 2025

किशनगढ़ / मकराना

जयपुर में आगामी **5 से 8 फरवरी 2026** तक आयोजित होने वाले **"इंडिया स्टोन मार्ट 2026"** के संदर्भ में आज **लघु उद्योग भारती की मकराना एवं किशनगढ़ शाखा** द्वारा मार्बल उद्योग से जुड़े कारोबारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्टोन मार्ट 2026 के आयोजन, मार्बल उद्योग की वर्तमान परिस्थितियों तथा व्यापारियों के समक्ष आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

उद्योग को नए अवसरों से जोड़ने पर फोकस

बैठक का मुख्य उद्देश्य **मकराना एवं किशनगढ़ क्षेत्र के मार्बल व्यापार को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ना**, साथ ही उद्योग के दीर्घकालीन विकास हेतु ठोस रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना रहा। इस दौरान व्यापार विस्तार, बाजार पहुंच, नीति संबंधी मुद्दे, प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे विषयों पर खुलकर चर्चा हुई।

वरिष्ठ पदाधिकारियों की सक्रिय सहभागिता

बैठक में **लघु उद्योग भारती** के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं स्टोन सेक्टर से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। प्रतिनिधिमंडल में

- राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव **श्री नरेश पारीक**,
- इंडिया स्टोन मार्ट 2026 के संयोजक एवं लघु उद्योग भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष **श्री नटवर अजमेरा**,
- पूर्व विधायक **श्रीराम भींचर**,
- भाजपा जिला अध्यक्ष **श्रीमती सुनीता रांदड़**,
- श्री दीपक अजमेरा, उपाध्यक्ष , CDOS
- **श्री मुकुल रस्तोगी** (मुख्य कार्यकारी अधिकारी, CDOS)
- **श्री संजीव मोदी**,
- RIICO एवं जिला उद्योग केन्द्र के अधिकारी

सहित बड़ी संख्या में मार्बल व्यापारी उपस्थित रहे।

किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन की भूमिका

किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन में आयोजित इस बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष **श्री सुधीर जैन** सहित स्थानीय उद्योग प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। व्यापारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए स्टोन मार्ट 2026 से जुड़ी अपेक्षाओं, संभावनाओं और व्यावहारिक सुझावों को सामने रखा।

स्टोन मार्ट 2026 को लेकर सकारात्मक माहौल

बैठक के दौरान यह स्पष्ट किया गया कि **इंडिया स्टोन मार्ट 2026** मकराना और किशनगढ़ जैसे प्रमुख स्टोन क्लस्टर्स के लिए न केवल व्यापार विस्तार का मंच बनेगा, बल्कि तकनीक, डिज़ाइन, निर्यात और निवेश के नए द्वार भी खोलेगा। सभी पक्षों ने आयोजन को सफल बनाने हेतु आपसी समन्वय और सहभागिता पर सहमति व्यक्त की।

24: उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया स्टोन मार्ट इंडिया 2026 के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन राजस्थान की स्टोन विरासत को वैश्विक मंच से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

जयपुर

राजस्थान की माननीय उपमुख्यमंत्री **श्रीमती दीया कुमारी** ने आज **स्टोन मार्ट इंडिया 2026** के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन किया। यह आयोजन राज्य की समृद्ध प्राकृतिक स्टोन विरासत, औद्योगिक क्षमता और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम के अवसर पर **सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS)**, **RIICO** एवं **लघु उद्योग भारती** से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान आयोजन से जुड़ी तैयारियों, अंतरराष्ट्रीय सहभागिता तथा स्टोन उद्योग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

स्टोन केवल सामग्री नहीं, राजस्थान की जीवंत विरासत

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री **श्रीमती दीया कुमारी** ने कहा कि राजस्थान की पहचान उसकी कला, संस्कृति, स्थापत्य और प्राकृतिक स्टोन से गहराई से जुड़ी हुई है। राज्य के किले, महल, मंदिर और ऐतिहासिक संरचनाएं इस बात का सशक्त प्रमाण हैं कि प्राकृतिक पत्थर केवल निर्माण सामग्री नहीं, बल्कि राजस्थान की जीवंत विरासत का अभिन्न हिस्सा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि **स्टोन मार्ट इंडिया 2026** जैसे आयोजन इस विरासत को आधुनिक तकनीक, नवाचार और वैश्विक बाजारों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। इस आयोजन के माध्यम से देश-विदेश से आने वाले खरीदारों और प्रदर्शकों को न केवल उद्योग से जुड़ने का अवसर मिलेगा, बल्कि राजस्थान की समृद्ध कला और संस्कृति से भी परिचित होने का अनुभव प्राप्त होगा।

निवेश, रोजगार और एमएसएमई के लिए नए अवसर

उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन केवल स्टोन सेक्टर तक सीमित नहीं रहते, बल्कि राज्य के **एमएसएमई, कारीगरों, उद्यमियों और निर्यात से जुड़े उद्योगों** के लिए भी नए अवसर सृजित करते हैं। इससे निवेश, रोजगार और समग्र औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलती है।

व्यापक स्वरूप में आयोजित होगा स्टोन मार्ट इंडिया 2026

आयोजकों ने उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया कि **स्टोन मार्ट इंडिया 2026** को इस बार पहले से कहीं अधिक व्यापक स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन

- **CDOS** द्वारा आयोजक के रूप में,
- **RIICO** द्वारा प्रिंसिपल स्पॉन्सर के रूप में, तथा

- **लघु उद्योग भारती** के सहयोग से
  आयोजित किया जा रहा है।

प्रदर्शनी में देश-विदेश के प्रमुख स्टोन उत्पादक, प्रोसेसर, निर्यातक, मशीनरी निर्माता और तकनीकी विशेषज्ञ भाग लेंगे। यह आयोजन केवल प्राकृतिक स्टोन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि **स्टोन प्रोसेसिंग मशीनरी, नवीन तकनीक, डिज़ाइन इनोवेशन और वैल्यू एडिशन** के क्षेत्रों में हो रहे नवीनतम विकास को भी प्रदर्शित करेगा। आयोजन के माध्यम से राजस्थान को **नेचुरल स्टोन और उससे जुड़ी तकनीकों का वैश्विक हब** बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में

- **श्री नरेश पारीक** (राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव, लघु उद्योग भारती),
- **श्री नटवरलाल अजमेरा** (संयोजक, स्टोन मार्ट इंडिया 2026 एवं प्रदेश उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती राजस्थान),
- **श्री अरुण जाजोदिया** (प्रदेश कोषाध्यक्ष),
- **श्री महेंद्र मिश्रा** (जयपुर अंचल अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती), तथा
- **श्री मुकुल रस्तोगी** (मुख्य कार्यकारी अधिकारी, CDOS)
  की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अंतरराष्ट्रीय सहभागिता पर विशेष फोकस

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव **श्री नरेश पारीक** ने बताया कि इस बार आयोजन का दायरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक विस्तृत किया गया है, ताकि विदेशी खरीदारों, निवेशकों और व्यापारिक प्रतिनिधियों की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि **स्टोन मार्ट इंडिया 2026** से न केवल राज्य की स्टोन इंडस्ट्री को नई पहचान मिलेगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संबंधों को भी मजबूती प्राप्त होगी।

वैश्विक उद्योग जगत को आमंत्रण

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने देश-विदेश के सभी उद्योग प्रतिनिधियों, व्यापारियों, निवेशकों और अन्य स्टेकहोल्डर्स से **स्टोन मार्ट इंडिया 2026** में सहभागिता करने और इस अंतरराष्ट्रीय मंच का हिस्सा बनने का आह्वान किया।

25: पथ आगे का – इंडिया स्टोनमार्ट–2026 की ओर निर्णायक कदम:

इंडिया स्टोनमार्ट–2026 की दिशा में अब तक उठाए गए कदमों ने न केवल आयोजन की नींव को सुदृढ किया है, बल्कि भारत के पत्थर उद्योग की **वैश्विक पहचान**, **नीतिगत समावेशन**, **तकनीकी नवाचार**, और **नवीन साझेदारी** के एक शक्तिशाली युग की शुरुआत कर दी है।

दिशा पथ:-

प्राकृतिक पत्थर उद्योग को समावेशी, नवाचार-आधारित और पर्यावरण-सम्मत दिशा में अग्रसर करने हेतु विभिन्न स्तरों पर ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। India Stonemart को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और अमेरिका (USA) जैसे वैश्विक मंचों पर आयोजित करने की योजना इसके अन्तर्राष्ट्रीय विस्तार और निर्यात संवर्धन का स्पष्ट संकेत है। इस दिशा में उठाए गए प्रमुख कदम निम्नानुसार हैं:

मूर्तिकला क्षेत्र में तकनीकी उन्नयन एवं स्वास्थ्य-सुरक्षा:-

CNC मशीन, रॉबोटिक कटिंग और लेजर एंग्रेविंग जैसी आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से पारंपरिक मूर्तिकला को एक नई ऊर्जा मिली है। इससे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा में वृद्धि हुई है तथा **सिलिकोसिस जैसे रोगों के जोखिम में कमी आई है।** इन तकनीकों से निर्मित मूर्तियाँ अब स्थानीय निकायों द्वारा उद्यानों, सार्वजनिक स्थानों और सरकारी परिसरों के सौंदर्यीकरण हेतु उपयोग की जा रही हैं। इससे न केवल कलाकारों को आर्थिक सशक्तिकरण मिल रहा है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत को भी नया मंच प्राप्त हो रहा है।

शिल्पकारों को प्रमाणन देकर औपचारिक पहचान और बाज़ार पहुँच:-

इस हेतु FIGSI द्वारा एक प्रशिक्षण केंद्र जयपुर में **महिंद्रा सेज** में संचालित किया जा रहा है। स्थानीय निकायों द्वारा कारीगरों को प्रमाणित करने की व्यवस्था लागू की जा रही है, जिससे उनके उत्पादों को सरकारी योजनाओं,

दिशा पथ:-

भवन निर्माण व सौंदर्यीकरण परियोजनाओं में प्राथमिकता दी जा सके। इस औपचारिक पहचान से शिल्पकारों की उत्पादकता, आय और सामाजिक प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। इससे **'लोकल फॉर वोकल' और 'मेक इन इंडिया'** जैसी पहल को व्यावहारिक बल मिल रहा है।

पत्थर अपशिष्ट का नवोन्मेषी उपयोग और शून्य-अपशिष्ट दृष्टिकोण:-

कटिंग स्लरी, स्टोन डस्ट, और रब्बल जैसे उत्पादों को अब ब्रिक निर्माण, टाइल्स, रोड बेस मटेरियल, वर्टिकल गार्डन, और सजावटी आँगन सामग्री में उपयोग किया जा रहा है। इससे न केवल कचरे की मात्रा कम हो रही है, बल्कि इनसे जुड़े सूक्ष्म उद्योगों को भी बढ़ावा मिल रहा है।

खनन में पर्यावरण-सम्मत व्यावहारिक तकनीकें:-

खनन में अब ड्राई कटिंग मशीन, डस्ट कलेक्शन सिस्टम, GPS/ड्रोन आधारित निगरानी, और रेन वॉटर रिचार्ज संरचनाओं का अनिवार्य उपयोग किया जा रहा है। इससे धूल-प्रदूषण में कमी, जल-संरक्षण और भूमि क्षरण रोकने में बड़ी मदद मिल रही है। कई राज्य सरकारें अब ईको-फ्रेंडली माइनिंग सर्टिफिकेशन भी जारी कर रही हैं, जिससे प्रदूषण नियंत्रण में बेहतर अनुपालन हो सके।

उन्नत औज़ारों और प्रक्रिया स्वचालन से प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि:-

पत्थर उद्योग में डायमंड वायर सॉ, ऑटोमैटिक एजिंग यूनिट, सेमी-रोबोटिक पॉलिशिंग सिस्टम जैसी मशीनें बड़े पैमाने पर अपनाई जा रही हैं। इससे उत्पादन लागत कम, मानवीय श्रम में कमी, और उत्पाद की एकरूपता सुनिश्चित हो रही है। इसके अलावा, 3D स्कैनिंग द्वारा डिज़ाइन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कटिंग सॉफ्टवेयर जैसे नवाचारों ने निर्यात में विश्वसनीयता और गुणवत्ता की नई ऊँचाइयाँ प्राप्त की हैं।

खनन क्षेत्र में निजी निवेश और PPP मॉडल को प्रोत्साहन:-

खनन क्षेत्र में Private Participation, Cluster-Based Lease Allotment, तथा Mega Stone Park Development जैसी योजनाओं के ज़रिए निजी निवेश को आकर्षित किया जा रहा है। इससे Value Addition Units, Training Centres, और Common Facility Centres का विकास हो रहा है जो स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं कौशल दोनों प्रदान करते हैं।

दिशा पथ:-

नेट ज़ीरो ट्रेल की दिशा में व्यावहारिक पहल:-

पत्थर उद्योग अब Net Zero Emission लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सौर ऊर्जा चालित यूनिट्स, जल पुनर्चक्रण संयंत्र, और Low Carbon Emission Equipment को अपना रहा है। अग्रणी कंपनियाँ पहले ही ईको मैन्युफैक्चरिंग और कम/शून्य सिलिका सामग्री के प्रयोग से सतत उत्पादन के मॉडल स्थापित कर चुकी हैं।

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के लिए देशव्यापी प्रचार अभियान: लघु उद्योग भारती की सशक्त पहल

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अभूतपूर्व सफलता दिलाने के उद्देश्य से लघु उद्योग भारती द्वारा एक व्यापक और संगठित प्रचार अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के अंतर्गत, राजस्थान सहित देशभर के प्रमुख पत्थर-समृद्ध जिलों और स्थापत्य केंद्रों में 13 स्थानों पर संगोष्ठियों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

इन संगोष्ठियों का उद्देश्य पत्थर उद्योग से जुड़े सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) को नवीनतम तकनीकी प्रगति, बदलते बाजार रुझानों और वैश्विक व्यापार अवसरों से परिचित कराना है, साथ ही उन्हें इंडिया स्टोनमार्ट 2026 में भागीदारी हेतु प्रेरित करना है।

- **प्रदेश में प्रस्तावित संगोष्ठियों एवं रोडशो के स्थान:**

राजस्थान: जयपुर, उदयपुर, कोटा, जोधपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, किशनगढ़, मकराना, जालोर, सवाईमाधोपुर, रामगंज मंडी, सिकंदरा, सीकर, पिंडवाड़ा (माउंट आबू), बिजोलिया इन स्थानों का चयन उनके खनन, प्रसंस्करण या स्थापत्य महत्व के आधार पर किया गया है।

- **देशव्यापी रोडशो का आयोजन:**

इसके साथ ही, लघु उद्योग भारती की विभिन्न राज्य इकाइयों के सहयोग से प्रमोशनल रोडशोज़ की भी योजना बनाई गई है। इनका उद्देश्य देश के प्रमुख पत्थर-समृद्ध क्षेत्रों से प्रतिभागियों (exhibitors) और व्यापारिक आगंतुकों (business visitors) की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है। प्रमुख स्थान जहाँ रोडशोज़ आयोजित किए जा रहे हैं:

- **आंध्र प्रदेश**: ओंगोल, खम्मम, करीमनगर, चित्तूर, वारंगल, श्रीकाकुलम
- **तमिलनाडु:** सलेम, हॉसूर, चेन्नई, मदुरै, कृष्णागिरी
- **कर्नाटक**: बेंगलुरु, मंड्या, मैसूर, इलकल, कोलार, चामराजनगर
- **गुजरात**: अहमदाबाद, हिम्मतनगर, पालनपुर

दिशा पथ:-

- **महाराष्ट्र**: मुंबई, पुणे
- **तेलंगाना**: हैदराबाद, विशाखापट्टनम
- **ओडिशा**: भुवनेश्वर
- **केंद्र शासित प्रदेश**: सिलवासा

- **MSME क्षेत्र में नव संचार:**

लघु उद्योग भारती का विश्वास है कि पत्थर उद्योग की रीढ़ MSME क्षेत्र है। यह प्रचार अभियान स्थानीय उद्यमियों और कारीगरों को तकनीकी सशक्तिकरण, निर्यात संभावनाओं और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग की ओर अग्रसर करेगा।

यह राष्ट्रव्यापी पहल इंडिया स्टोनमार्ट 2026 को नई ऊर्जा और वैश्विक पहचान देगी, जिससे अभूतपूर्व राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी।

अब तक की प्रमुख उपलब्धियाँ:-

1. **संस्थागत एकता और MoU पर हस्ताक्षर** – CDOS, RIICO और LUB का संगठित दृष्टिकोण
2. **GSTF 2025 का सफल आयोजन** – नीतियों, नवाचारों और पर्यावरणीय समाधान पर गहन मंथन
3. **अन्तर्राष्ट्रीय प्रचार यात्राएँ (UK, USA, Italy, China, Turkey, Russia)** – भारत की ब्रांडिंग को सशक्त मंच प्रदान
4. **घरेलू मंचों (STONA) पर सक्रिय प्रचार** – MSMEs, निर्माता और प्रोसेसरों को जोड़ने में सफलता
5. **द्विपक्षीय भागीदारी प्रस्ताव** – ग्रीस, इटली, तुर्की, चीन जैसे देशों से समूह सहभागिता हेतु सहमति
6. **प्रशिक्षण एवं तकनीकी उन्नयन की पहल –** जयपुर में FIGSI द्वारा आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना से शिल्पकला में गुणवत्ता और उत्पादकता को नई दिशा मिली।
7. **स्वामीनारायण संस्था की ऐतिहासिक सहभागिता –** BAPS संस्था ने पहली बार स्टोनमार्ट में सांस्कृतिक और तकनीकी समन्वय के साथ मंदिर निर्माण की प्रदर्शनी दी।
8. **GST दर वृद्धि को रोका गया –** केंद्र सरकार ने GST दर 28% करने के प्रस्ताव को टालकर पत्थर उद्योग को बड़ी राहत दी।
9. **90% पूर्व-बुकिंग पूरी –** अंतरराष्ट्रीय प्रचार और रोडशोज़ की बदौलत अब तक की सबसे तेज़ बुकिंग सुनिश्चित हुई।
10. **राज्य स्तरीय संगोष्ठियाँ एवं संवाद –** 13 शहरों में सेमिनार व रोडशो के माध्यम से उद्योग, पर्यावरण और खनन पर बहुपक्षीय संवाद स्थापित हुआ।

Our Proud Sponsors

Event Leader	Principal Sponsor
सत्यमेव जयते Government of Rajasthan	RIICO GROW WITH RAJASTHAN
Fair Sponsor	**Badge Sponsor**
RK MARBLE KHOOBSURAT IMAANDAARI	TM SHREE RAM MEGA STRUCTURE PVT LTD MINE OWNERS | PROCESSORS | EXPORTERS
Lanyard Sponsor	**Golf Cart Sponsor**
Bhagwati LEADERS IN INNOVATION	Petrelplus®

Types of Sponsorship options available for India Stonemart 2026

1) Fair Co-sponsorship: Rs/- 12,00000 (10 Slots)

2) Associate Sponsorship: Rs/- 750,000 (10 Slots)

3) Associate Co-Sponsorship : INR 3 Lakh (10 Slots)

4) Cultural Night / Dinner: INR 20 Lakh (1 Slot)

5) Lunch - Per Day: INR 7.5 Lakh (1 Slot)

6) Exhibitors' Kit - 600 Quantity :INR 6 Lakh (1 Slot)

7) Exhibitors' Directory- 2000 Quantity: INR 5 Lakh (1 Slot)

8) Visitor Jute Bags - 2000 Quantity: Rs/- 400,000 (1 Slot)

9) Branded Pens: Rs/- 250,000(1Slot).

10) VIP Lounge: Rs/- 250,000(1 Slot)

11) Media Lounge: Rs/- 250,000 (1 Slot)

12) Fair Guide - 5000 Quantity: Rs/- 250,000 (1 Slot)

13) Award/Mementoes: 250,000(1 Slot)

14) Registration Counter: Rs/- 200,000 (1 Slot)

15) Pole Buntings -15 Set (each set of 4 poles): Rs/- 125,000

16) Information Booth: Rs/- 75,000 (3 Slot)

17) Gates: Rs/- 75,000 (3 Slot)

Organiser

Centre for Development of Stones

Principal Sponsor

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

Co-Organiser

LAGHU UDYOG BHARATI

Fair Sponsor

RK MARBLE
KHOOBSURAT IMAANDAARI

EXHIBITION LAYOUT

13th INDIA STONEMART2026
Stone for Sustainability
5 - 8 February, 2026
JAIPUR, RAJASTHAN, INDIA

www.stonemart-india.in

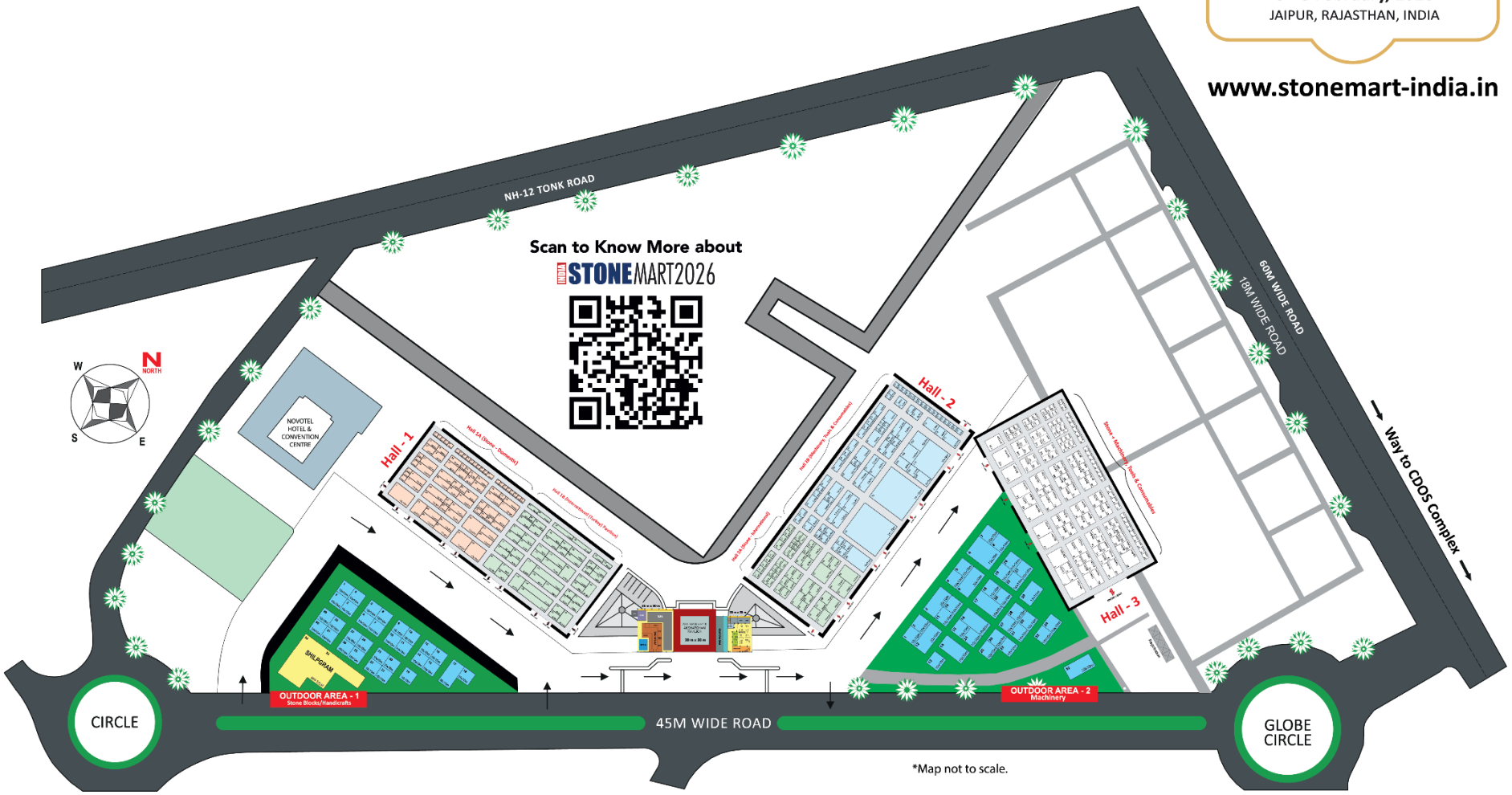

*Map not to scale.

HALL 1

13th STONEMART2026
Stone for Sustainability
5 - 8 February, 2026
JAIPUR, RAJASTHAN, INDIA

HALL - 1

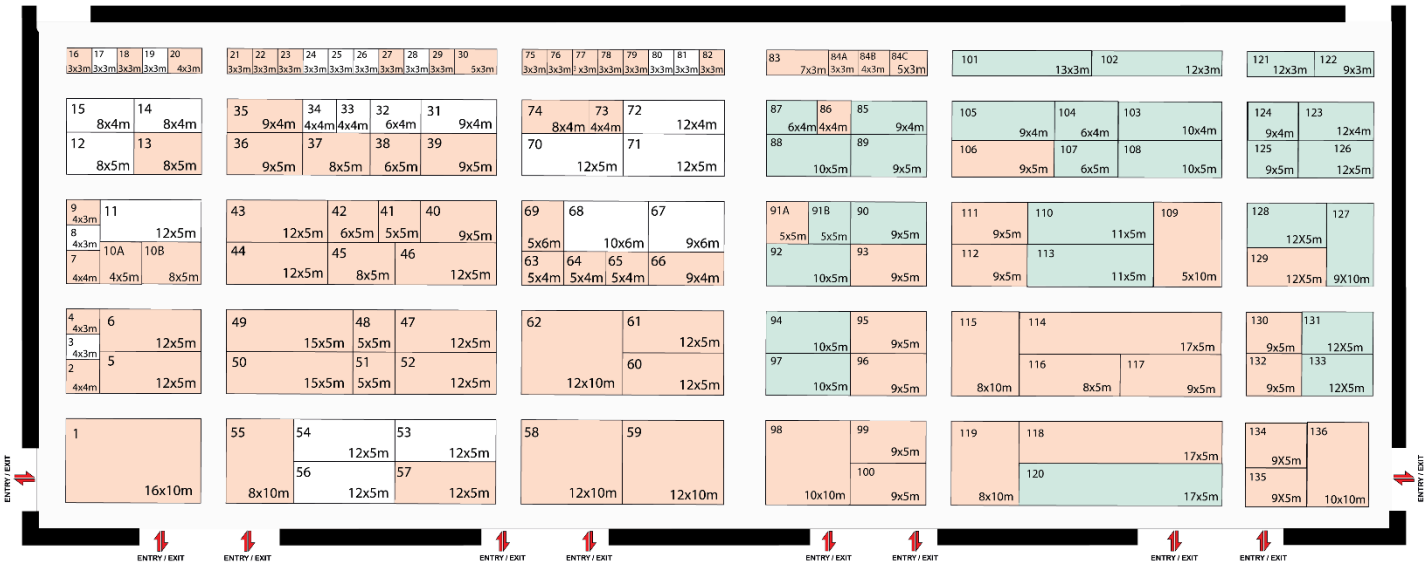

Booked

Hall 1B (International (Turkey) Pavilion)

Hall 1A (Stone - Domestic Exhibitors)

HALL 2

13th STONEMART2026
Stone for Sustainability
5 - 8 February, 2026
JAIPUR, RAJASTHAN, INDIA

HALL - 2

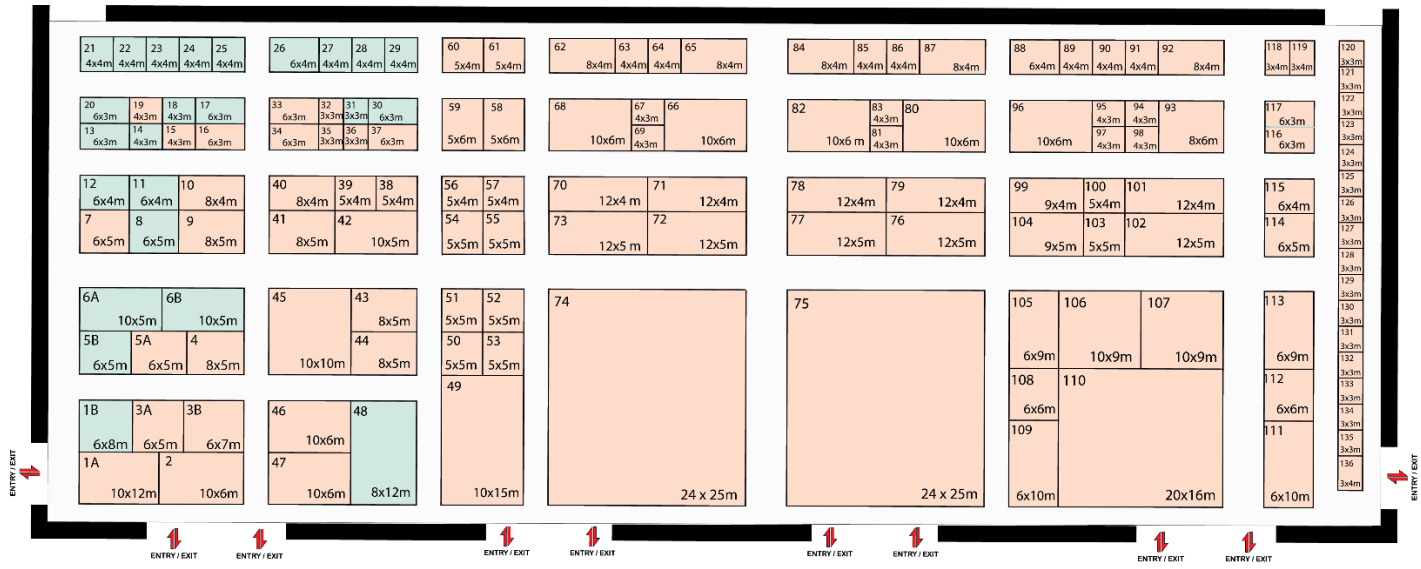

Booked

Hall 2B (Machinery, Tools & Consumables)

Hall 2A (Stone - International Exhibitors)

Hall 3

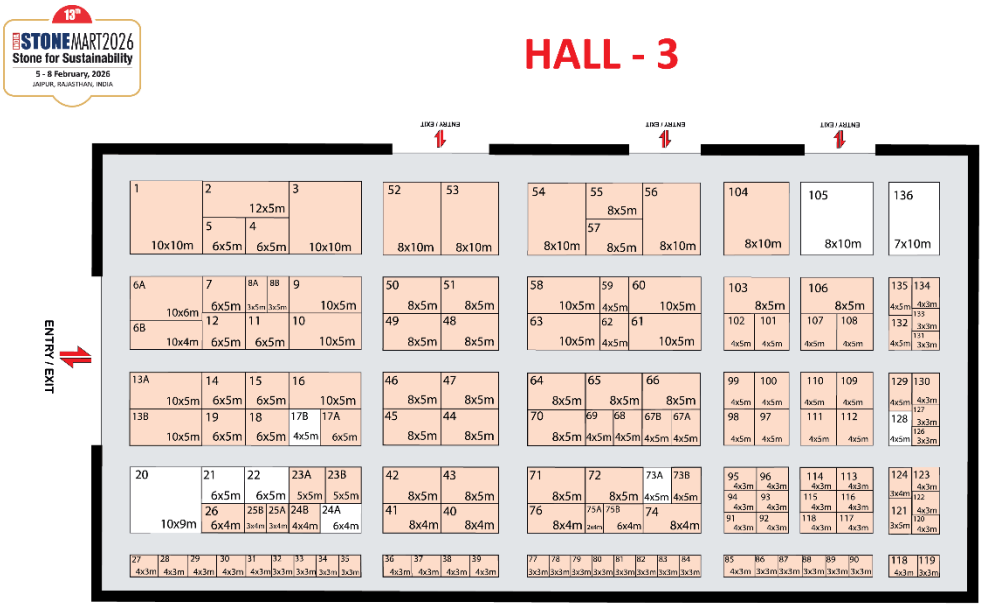

STONEMART2026
Stone for Sustainability
5 - 8 February, 2026
JAIPUR, RAJASTHAN, INDIA

Booked

Stone + Machinery, Tools & Consumables

OUTDOOR 1

STONEMART2026
Stone for Sustainability
5 - 8 February, 2026
JAIPUR, RAJASTHAN, INDIA

Booked

STONEMART2026
Stone for Sustainability
5 - 8 February, 2026
JAIPUR, RAJASTHAN, INDIA

OUTDOOR 2

Booked

Booth Types & Details

*Raw Space also available if required

List Of Items in 3m x 3m = 9Sq.m. Stall

- Two/Three Side Walls
- FASCIA
- Synthetic Carpet
- One Lockable Table
- Two Chairs
- Three Spot Lights
- One 5 A Power Socket
- One Dustbin

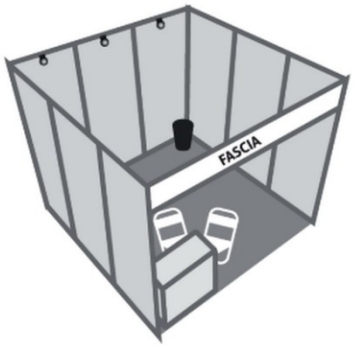

List Of Items in 4m x 3m = 12 Sq.m. Stall

- Three/Four Side Walls
- FASCIA
- Synthetic Carpet
- One Lockable Table
- Two Chairs
- Four Spot Lights
- One 5 A Power Socket
- One Dustbin

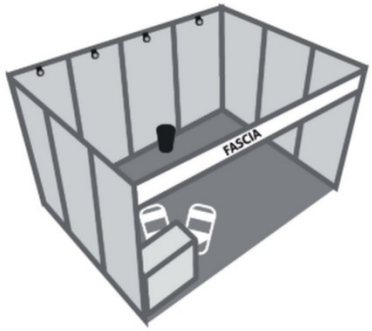

PAYMENT REGULATION

Stall Rentals

Type of stall per Sq. Mtr.	Per Sq.Mtr. Rates(in Rupees)	Per Sq.Mtr. Rates(in Euro)
Indoor Built Up (1 Side Open - min. 9 Sq.m)	6500	250
Indoor Built Up (2 Side Open - min. 9 Sq.m)	7400	
Indoor Raw Space (2 Side Open - min. 9 Sq.m)	6800	
Indoor Raw Space (3 Side Open - min. 30 Sq.m)	7100	
Indoor Raw Space (4 Side Open - min. 60 Sq.m)	7500	
Outdoor Machinery / Stones Raw Space (min. 100 Sq.m)	2500	130

Bank Information

Bank	**State Bank Of India**
Account Name	**Laghu Udyog Bharti**
Account Number	**43121329096**
Swift Code	**SBININBB851**
IFSC Code	**SBIN0000744**

स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर - नई दिल्ली

Organiser

CDOS
Centre for
Development of Stones

Principal Sponsor

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

Co-Organiser

LAGHU
UDYOG
BHARATI
लघु उद्योग भारती

Fair Sponsor

RK MARBLE
KHOOBSURAT IMAANDAARI

Presented by Laghu Udyog Bharti

www.lubindia.com